बर्ष:- 05
अंक:- 342
मुरादाबाद
(Tuesday)
07 April 2026
पृष्ठ:-8
मूल्य:- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन

क्यूं न लिखूं सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

भाजपा स्थापना दिवसः PM मोदी, अमित शाह समेत कई नेताओं ने कार्यकर्ताओं को दी बधाई, राष्ट्र सेवा को बताया सम्मान

यूसीसी और एक देश-एक चुनाव होगा अगला मिशनः, भाजपा स्थापना दिवस पर पीएम मोदी ने बताया आगे का प्लान

प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, सीएम योगी आदित्यनाथ समेत अन्य भाजपा नेताओं ने पार्टी स्थापना दिवस पर कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए उनके समर्पण और राष्ट्र सेवा का सम्मान किया।भाजपा के 47वें स्थापना दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पार्टी के समर्पित कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं दी हैं। अपने ट्वीट में पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा हमेशा इंडिया फर्स्ट के सिद्धांत के साथ समाज की सेवा में अग्रणी रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं की निस्वार्थ सेवा, अथक समर्पण और अच्छे शासन के प्रति उत्साह की सराहना की।पीएम ने याद दिलाया कि कई दशकों में पार्टी के विकास में अनेकों कार्यकर्ताओं का योगदान रहा है, जिन्होंने त्याग, सेवा और दृढ़ संकल्प से भाजपा को मजबूत बनाया। मोदी ने कहा कि पार्टी हमेशा लोगों की भलाई को केंद्र में रखकर काम करती रही है, और यह प्रतिबद्धता केंद्र और राज्य स्तर पर दिखती है।गृहमंत्री अमित शाह ने भी दी बधाई

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी ट्वीट कर पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई दी और नेशन फर्स्ट, पार्टी नेक्स्ट, सेल्फ लास्ट के मूल मंत्र पर जोर दिया। शाह ने कहा कि चाहे सीमा सुरक्षा हो, आंतरिक सुरक्षा मजबूत करना हो, विकास में नए मानक स्थापित करना हो, या भारतीय संस्कृति की जीवंतता को बनाए रखना हो भाजपा ने हमेशा अपने कार्यों से इसे सिद्ध किया है। अमित शाह ने ऋषि दधीचि को भी नमन किया, जिनके त्याग ने राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए पार्टी के विकास में योगदान दिया।

उन्होंने लिखा स्थापना दिवस पर मैं उन महान आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं, जिन्होंने निस्वार्थ भाव से राष्ट्र सेवा की। ष्टरू योगी ने भी कार्यकर्ताओं को दी बधाई- वहीं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी भाजपा कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए पार्टी को केवल राजनीतिक संगठन नहीं बल्कि एक जीवंत वैचारिक परंपरा बताया। उन्होंने कहा कि पार्टी का विकास शक्ति या सत्ता तक सीमित नहीं है, बल्कि इसकी यात्रा अंत्योदय से राष्ट्रोदय तक फैली है। योगी ने लिखा भाजपा का यह राष्ट्रवादी परिवार आज एक विशाल वटवृक्ष बन गया है, जो सेवा, मूल्यों और समर्पण के संकल्प के साथ 1.45 अरब देशवासियों की आकांक्षाओं को सशक्त कर रहा है। यह केवल सत्ता का सफर नहीं, बल्कि विचारधारा और मूल्य आधारित यात्रा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए भाजपा के स्थापना दिवस के भावनात्मक महत्व पर भी विचार किया। उन्होंने कहा, भाजपा एकमात्र राजनीतिक दल है जहां हम पार्टी को अपनी मां मानते हैं। इसीलिए पार्टी का स्थापना दिवस सिर्फ एक राजनीतिक आयोजन नहीं है।

यह हर कार्यकर्ता के लिए एक भावनात्मक अवसर है। यह दिन हमें राष्ट्र की सेवा करने का अवसर देने के लिए पार्टी के प्रति अपना आभार व्यक्त करने का मौका देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को भाजपा के स्थापना दिवस पर पार्टी कार्यकर्ताओं के समर्पण और बलिदान को नमन किया। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने आपातकाल और कांग्रेस के शासनकाल के दमन से लेकर पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में राजनीतिक हिंसा तक हर तरह की कठिनाइयों का सामना किया है, ताकि पार्टी को मजबूत किया जा सके और राष्ट्र की सेवा की जा सके।समान नागरिक संहिता और एक देश-एक चुनाव पर रहेगा फोकस- वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, देश जानता है, हर चुनौती का सामना करने के लिए भाजपा ईमानदारी से कोशिश कर रही है, आगे भी करेगी। पहले भी सकारात्मक नतीजे मिले हैं और आगे भी मिलेंगे।पीएम मोदी ने कहा, अंग्रेजों के दौर के सैकड़ों काले कानूनों का अंत, लोकतंत्र के लिए नए संसद भवन का निर्माण, सामान्य समाज के गरीबों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण, कानून बनाकर तीन तलाक पर रोक, सीएए, अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण ऐसे कितने ही काम हैं, जो भाजपा के ईमानदार प्रयासों का नतीजा हैं। उन्होंने कहा कि हमारा मिशन अभी भी जारी है। उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता और एक देश-एक चुनाव ऐसे सभी विषयों पर आज देश में एक गंभीर चर्चा हो रही है। कई कार्यकर्ताओं ने किया जीवन बलिदान-उन्होंने कहा, भाजपा के कार्यकर्ता जनता से जुड़े मुद्दों को उठाने में कभी पीछे नहीं हटते। उन्हें दृढ़ विश्वास था कि वे जो कड़ी मेहनत कर रहे हैं, उससे भारत का भविष्य बेहतर होगा। यही कारण है कि कार्यकर्ताओं ने हर कठिनाई झेली, चाहे वह आपातकाल हो या कांग्रेस के शासन का दमन। कई कार्यकर्ताओं ने तो अपना जीवन भी बलिदान कर दिया। हमने पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में देखा है, जहां हिंसा को एक राजनीतिक संस्कृति बना दिया गया है। राजनीतिक संघर्ष के शुरुआती साल- प्रधानमंत्री ने राजनीतिक संघर्ष के शुरुआती वर्षों को याद करते हुए कहा, हम 1984 का वह समय नहीं भूल सकते जब कांग्रेस ने रिकॉर्ड संख्या में सीटें जीती थीं, लेकिन भारत ने यह भी देखा कि उन्होंने लोगों को कैसे धोखा दिया। इससे लोगों का विश्वास भाजपा में बढ़ा और धीरे-धीरे हमने सीटें जीतना शुरू किया। विचारधाराओं का अंतर- उन्होंने भारत के राजनीतिक परिदृश्य को आकार देने वाले वैचारिक अंतर पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, उस समय दो विचारधाराएं अस्तित्व में आईं। एक सत्ता-संचालित राजनीति थी, और दूसरी सेवा-संचालित राजनीति। आरएसएस से प्रेरणा-इसके साथ ही पीएम मोदी ने भाजपा द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से प्राप्त प्रेरणा पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, आरएसएस के विशाल और पवित्र बरगद के पेड़ के नीचे, हमें शुद्ध इरादों और ईमानदारी के साथ राजनीति में कदम रखने की प्रेरणा मिली। शुरुआती कुछ दशकों में हमने संगठन के लिए नीतियां बनाने में अपनी ऊर्जा समर्पित की। फिर वह समय आया जब भाजपा ने खुद को एक मजबूत कैडर-आधारित पार्टी के रूप में बनाने में पूरी तरह से झोंक दिया। उन्होंने कहा, हमने कार्यकर्ताओं का एक ऐसा विशाल कैडर बनाया जो सेवा की भावना से काम करने के लिए समर्पित था, जिसने पार्टी के सिद्धांतों को अपने जीवन का आदर्श बनाया। जिसने किसी भी परिस्थिति में अपने मूल्यों से कभी समझौता नहीं किया।

संक्षिप्त समाचार

आईआरजीसी के खुफिया प्रमुख माजिद खादेमी की मौत, इस्राइल-अमेरिका के हमलों में गई जान

अमेरिका और इस्राइल की ओर से जारी हमलों में ईरान को बड़ा झटका लगा है। अमेरिका और इस्राइल के हमलों में ईरान के सबसे शक्तिशाली और विशिष्ट सैन्य बल इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) के खुफिया प्रमुख की मौत हो गई है। माजिद खादेमी के मौत की पुष्टि ईरानी मीडिया ने भी कर दी है।ईरान की सरकारी मीडिया ने सोमवार को पुष्टि करते हुए बताया कि इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के खुफिया संगठन के प्रमुख माजिद खादेमी की मौत हो गई। रिपोर्ट में बताया गया कि सोमवार की तड़के सुबह एक हमले में माजिद खादेमी को मार दिया गया। आईआरजीसी ने उनकी मृत्यु की पुष्टि करते हुए इसे आपराधिक आतंकवादी हमले का नतीजा कहा। आईआरजीसी ने माजिद खादेमी की हत्या के लिए अमेरिकी-यहूदी शासन के दुश्मन को जिम्मेदार ठहराया। हालांकि, हमले की सटीक जगह का तुरंत पता नहीं चला सका था। मीडिया रिपोर्टों ने सोमवार की सुबह तेहरान और उसके आसपास के क्षेत्रों में इस्राइल-अमेरिका ने संपत्तियों को लक्षित करने वाले भारी हवाई हमलों को अंजाम दिया था।सुरक्षा अधिकारियों में से एक थे। जून 2022 में, उन्हें आईआरजीसी के खुफिया संरक्षण संगठन का प्रमुख नियुक्त किया गया था। 2025 तक उन्होंने मोहम्मद काजेमी की जगह आईआरजीसी खुफिया संगठन के प्रमुख का पद संभाला था

डेटा संप्रभुता को लेकर सरकार की चुप्पी पर राहुल गांधी का वार, कहा- भारत को अंधेरे में रखा जा रहा

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भारत की डेटा संप्रभुता को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। इससे पहले लोकसभा में एक अप्रैल को नेता विपक्ष गांधी ने सरकार से डेटा और इसे लेकर अन्य देशों के साथ किए जा रहे समझौतों पर भी कई सवाल पूछे थे। केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने तब उनके हर सवाल का लिखित में जवाब दिया था। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को भारत की डेटा संप्रभुता को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि देश को वैश्विक तकनीकी दौड़ में अग्रणी होना चाहिए, लेकिन इसके बजाय उसे यह अंधेरे में रखा जा रहा है कि उसके डेटा की सुरक्षा कैसे की जाएगी। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि भारत का डेटा उसके लोगों का है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अर्थव्यवस्था में यह सबसे बड़ी ताकतों में से एक हो सकता है - आई बनाने, कंपनियों को बढ़ाने और रोजगार पैदा करने के लिए।राहुल गांधी ने अपने व्हाट्सएप चैनल पर एक पोस्ट में कहा, इसलिए मैंने सरकार से अमेरिका के साथ हालिया व्यापार सौदे के बारे में कुछ महत्वपूर्ण सवाल पूछे हैंः अमेरिका के साथ %बाधाओं को कम करने% का हमारे डेटा के लिए क्या मतलब है? क्या हमारा स्वास्थ्य डेटा, वित्तीय डेटा और सरकारी डेटाबेस भारत में ही रहेंगे? क्या भारत अभी भी विदेशी कंपनियों को डेटा यहां संग्रहीत करने और इसका इस्तेमाल अपना खुद का एआई बनाने के लिए कर सकता है? पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, हमारी डेटा संप्रभुता, स्वास्थ्य डेटा, एआई और स्थानीय डेटा भंडारण के बारे में हर सवाल का एक ही जवाब मिलता हैः ढांचा, संतुलन, स्वायत्तता - बड़े शब्द, कोई विशिष्टता नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार देश को यह बताने से इनकार कर रही है कि वह क्या बातचीत कर रही है। गांधी ने कहा, हमें वैश्विक तकनीकी दौड़ में अग्रणी होना चाहिए, लेकिन इसके बजाय हमें इस बारे में अंधेरे में रखा जा रहा है कि भारत के डेटा की सुरक्षा कैसे की जाएगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि लोगों को देश के डेटा के संबंध में पारदर्शिता और जवाबदेही का अधिकार है। उन्होंने कहा कि हम एक बेहतर भविष्य बनाने के लिए अपने डेटा के मालिक होने और उसका उपयोग करने के हकदार हैं। संसद में राहुल गांधी ने उठाए थे क्या सवाल?- एक अप्रैल को लोकसभा में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री से अपने प्रश्न में गांधी ने पूछा था कि सरकार अमेरिका-भारत संयुक्त वक्तव्य के तहत डिजिटल व्यापार के लिए बाधाओं को कम करने की अपनी प्रतिबद्धता को भारत के डेटा स्थानीयकरण नियमों, सीमा-पार डेटा नियमों और व्यापक डिजिटल ढांचे के साथ कैसे सामंजस्य बिठाती है। उन्होंने यह भी पूछा था कि क्या नियामक स्वायत्तता की रक्षा के लिए कोई नीतिगत परिवर्तन प्रस्तावित हैं; यदि हां, तो क्या ये प्रतिबद्धताएं महत्वपूर्ण डेटा के स्थानीय भंडारण को अनिवार्य करने, संवेदनशील डिजिटल बुनियादी ढांचे तक विदेशी पहुंच को सीमित करने या कृत्रिम बुद्धिमत्ता को अब या भविष्य में विनियमित करने की भारत की क्षमता को प्रतिबंधित कर सकती हैं। गांधी ने यह भी पूछा कि क्या हत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के विवरण प्रभावित हुए हैं और किस हद तक, और अगर नहीं, तो इसके कारण क्या हैं। उन्होंने यह सुनिश्चित करने वाले सुरक्षा उपायों के विवरण के बारे में भी पूछताछ की कि ये प्रतिबद्धताएं स्वदेशी एआई विकास, घरेलू मूल्य निर्माण और विशेष रूप से डेटा स्थानीयकरण, बाजार पहुंच की स्थिति, सीमा-पार प्रतिबंधों और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के संबंध में रणनीतिक डिजिटल स्वायत्तता के लिए घरेलू डेटा का उपयोग करने की भारत की क्षमता को कमजोर न करें। केंद्र सरकार ने दिया था ये जवाब- इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में राज्य मंत्री जितेंद्र प्रसाद ने अपने लिखित जवाब में कहा था कि भारत का एक जीवंत आईटी पारिस्थितिकी तंत्र है, जिसका वित्तीय वर्ष 2024-25 में राजस्व 280 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक और निर्यात 225 बिलियन अमेरिकी डॉलर है। उन्होंने कहा कि यह 60 लाख से अधिक लोगों को रोजगार देता है और डिजिटल व्यापार भारत की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण घटक है। उन्होंने कहा, भारत के मुक्त व्यापार समझौतेः भारत सरकार दुनिया भर के संभावित देशों के साथ डिजिटल व्यापार साझेदारी को बढ़ावा देने और विस्तारित करने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है। भारत ने संयुक्त अरब अमीरात, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के साथ तीन मुक्त व्यापार समझौते किए हैं, जिनमें से प्रत्येक में एक प्रमुख घटक के रूप में एक डिजिटल व्यापार अध्याय शामिल है। उन्होंने कहा कि इन समझौतों में भारत ने बाजार पहुंच सुरक्षित करते हुए अपने हितों की प्रभावी ढंग से रक्षा की है।प्रसाद ने आगे कहा कि भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौता (BT), जो वर्तमान में बातचीत के अधीन है, एक स्वतंत्र, निष्पक्ष और गतिशील डिजिटल वातावरण को बढ़ावा देना चाहता है, जिससे डिजिटल व्यापार के क्षेत्र में गहन सहयोग संभव हो सके। मंत्री ने कहा, भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका ने एक अंतरिम समझौते के लिए एक ढांचा स्थापित किया है जो एक खुले और न्यायसंगत डिजिटल व्यापार वातावरण को बढ़ावा देने के दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह अंतरिम ढांचा भारत-अमेरिका BTA के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में पारस्परिकता और पारस्परिक रूप से लाभकारी डिजिटल व्यापार दिशानिर्देशों को प्राप्त करने की दिशा में एक मार्ग प्रशस्त करता है। प्रसाद ने कहा कि भारत ने डेटा शासन में अपनी नियामक स्वायत्तता को बनाए रखा है, जबकि उभरती प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने और सीमा-पार सहयोग को बढ़ावा देने के बीच एक सावधानीपूर्वक संतुलन बनाया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी भी तरह से, ऐसे समझौते स्थापित कानूनी ढांचे के भीतर भारत के अपने डेटा के प्रबंधन के लिए उपाय करने की भारत की क्षमता को प्रतिबंधित नहीं करते हैं।

गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में बोले सीएम योगी, गंभीर बीमारियों के इलाज में पूरी मदद करेगी सरकार

सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों को आश्वस्त किया कि वे उच्चीकृत अस्पताल से इलाज का इस्टीमेट मंगवा लें, मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से सरकार पूरी आर्थिक सहायता देगी।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग करने पहुंचे लोगों को आश्वस्त किया कि वे उच्चीकृत अस्पताल से इस्टीमेट मंगवा लें, इलाज खर्च में सरकार भरपूर आर्थिक मदद करेगी। सीएम योगी ने इसे लेकर अफसरों को निर्देशित भी किया कि जिन लोगों को उपचार में आर्थिक सहायता की आवश्यकता है, उनके इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से पूरा कराकर शासन को उपलब्ध कराया जाए। हर जरूरतमंद को मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों से एक-एक करके समस्याएं सुनीं और निस्तारण के लिए आश्वस्त करते हुए उनके प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारियों को हस्तगत किए। किसी को भी परेशान होने या घबराने होने की आवश्यकता नहीं है। हर समस्या का प्रभावी समाधान कराया जाएगा।

भाजपा के स्थापना दिवस पर सीएम योगी ने फहराया पार्टी का झंडा

गोरखपुर में भाजपा के स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर परिसर के हिंदू सेवा आश्रम भवन पर पार्टी का झंडा फहराया। इस मौके पर उन्होंने पार्टी सहयोगियों के साथ झंडे के सामने सेल्फी ली, जिसमें गोरखपुर सांसद रवि किशन समेत अन्य भाजपा नेता भी मौजूद रहे।मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित के साथ संवेदनशील रवैया अपनाया जाए और उसकी समस्या का समाधान कर उसे संतुष्ट किया जाए। इसमें किसी भी तरह की कोताही नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह निर्देश भी दिए यदि कोई पात्र व्यक्ति शासन की कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित है तो उसे तत्काल योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाए। कैंसर से पीड़ित अपने परिजन के इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंची एक महिला से मुख्यमंत्री ने कहा कि उच्चीकृत सरकारी अस्पताल में मरीज को दिखाकर इस्टीमेट मंगवा लीजिए। इलाज में पूरी मदद की जाएगी। जरूरतमंद बिटिया की स्कूली फीस की व्यवस्था होगी- जनता दर्शन में एक बिटिया ने कमजोर पारिवारिक आर्थिक स्थिति का जिक्र कर पढ़ाई के लिए फीस जमा करने में आ रही बाधा की बात मुख्यमंत्री को बताई।

संपादकीय Editorial

Development to the Needs

Development is not just a plan; it is the continuum of sustained effort. Plans are made and broken in Himachal, but the accounts of development are true and meaningful only when the possibilities are addressed qualitatively, in line with the objectives. Consequently, the debate is now shifting between the three years of the Himachal government and the two years of the upcoming elections. In the House debate on the Himcare scheme, it doesn't matter how many crores the scam amounts to; instead, the decline in its sustainability will certainly be mentioned. Similarly, instead of discussing the difference in traffic from the new buses of the Transport Corporation in recent years, the discussion in the House is about the need for the issue. Himachal has been over-developed in its development, sometimes over-developed in its sustainability, sometimes under-developed in its sustainability. The need for development within the scope of new schools has not been recognized, resulting in the ongoing denotification of schools. According to a notification dated March 20th, 36 government schools with zero student enrollment in the state were denotified. A similar situation has also occurred with the increase in the number of colleges, medical colleges, and universities. The government is working tirelessly to expand facilities in medical colleges, but the basic foundation of medical care begins with dispensaries. This very need becomes the private sector's achievement. A medical college won't always be located near Himachali patients; instead, providing medical care requires promptness in dispensaries, civil, regional, and zonal hospitals. Private hospitals make their efforts so convincing that patients embrace this perception. Himachal needs to understand the importance of time and timeframe in development. For example, the tourist season is underway in Himachal, but where is the urgency to highlight this timing? During the House debates, every MLA focused on some kind of development, scheme, or project, but who pointed to development plans while riding the tourism bandwagon? Our current practice is a mess of development, whether it has any real substance or not. One government builds buildings, only to discover that thousands of these are useless, but they fail to build where they are needed. Efforts have been underway to build a bus stand in Dharamshala for a decade, but it remains unfinished. Here, we must commend the persistent efforts that ultimately result in an entire complex named after a deceased leader. Nearly ten crore rupees were spent on the proposal for the state's first tulip garden in Dharamshala, but to date, not a single flower has bloomed. The convention center has become a mere slur, so who will show mercy to those projects where development grows before development? If we hear from a BJP MLA, development is a tale of the past, and the ruling party MLAs will keep talking about how far they have come. We have excavated the Shimla-Dharamshala estate under the Smart City project. We don't have the time to consider whose reputation the use of iron in Shimla's decoration is piercing. The sewage flowing in the ducts of Dharamshala's smart road is a new incarnation. Surprisingly, trees have grown on buildings in some places, while in others, there are piles of soil. The contractor system has changed in the measurement of development. The danger with incomplete structures, piles of debris, and unpaid bills is that construction now becomes painful. Municipal corporations have increased, but the blueprint for urban needs has neither dreams nor the arrangements to fulfill them. The caravan has certainly grown, but the destination is unknown. We know that in the name of development, we can lift a few bricks, whether the need is met or not.

The Challenge of Maintaining Peace in the World

What an irony of human history it is that while education and literacy have expanded significantly worldwide, understanding of human nature has also increased. Trump's aggressive policies threaten global peace. The United Nations has proven ineffective in establishing peace. India must develop a long-term strategy for world peace. US President Donald Trump has made historians' work easier. He calls himself a great peacemaker. Yet, to fulfill his Secretary of State's wishes, he attacked Iran. Since the attack, he has been declaring victory almost daily. He claims that hegemony over Canada and Greenland is essential for American security. He has kidnapped the Venezuelan President and his wife. Cuba is already under his control. He is also trying to impose his will on India. He pays no attention to whether anyone believes his words or not, or how this affects his reputation and his country's credibility. For them, the fact that every country, family, and individual in the world is affected, suffering, and filled with apprehension about the future is irrelevant. This war has painfully affected more than a hundred countries, including India. The United Nations (UN) and its Security Council, established after World War II, have long since lost their clout. The world is in turmoil, but no one knows where they are or what they are doing. They lie dormant somewhere. Meanwhile, UNESCO, its educational and cultural organization, proclaims that wars are created in the human mind. Therefore, the preservation of peace must begin there. The UN Security Council was established with great expectations, but former colonial countries, immersed in the arrogance of their own superiority, have rendered it ineffective, blinded by self-interest. Imperialism is over. Colonialism failed to save itself, but those who aimed solely at plundering other countries are still unable to break free from the clutches of their dominance and are unable to accept the essence of democracy. Numerous examples could be cited. When Egypt nationalized the Suez Canal, Britain, France, and Israel invaded it. They argued that it was necessary for their security and strategic purposes, and also in the world's interest. However, the global reputation that Britain suffered as a result of that invasion has not been restored even today. At that time, only ten years had passed since the end of World War II. The UN was more influential than it is today. At that time, the US secured the passage of a ceasefire resolution in the Security Council, expressing fears that World War III might break out. Today, Trump's America is itself plunging the world into the flames of World War III. In the 20th century, millions of innocent civilians and soldiers were killed in the two World Wars, the Russian Civil War, and the Chinese Civil War. Even today, the fear of a repeat of that horror persists. Recently, the US and Israel attacked Iran without any prior consultation. Therefore, no other country in the world is openly supporting them. At this time, the outlook of young people in every country is changing. They have a growing practical understanding of human equality. Now is not the time to sacrifice ideas like peace, equality, and national sovereignty for self-interest. The absence of other countries in the world from this war marks this major historical change. Even in these difficult times, the Indian leadership has demonstrated patience and prioritized national and public interests. This is being appreciated by the general public, but to alleviate the suffering caused to the common people by this war, it is essential that all parties rise above party politics and unite. Those who are solely criticizing the government do not seem to offer any practical alternatives. Advocates of human unity have time and again not only promoted the vital need for peace, cooperation, and coordination for the benefit of humanity, but have also succeeded in proving its practicality. People were inspired by great men like Mahatma Gandhi, Martin Luther King Jr., and Nelson Mandela, supported them, and were successful in achieving their goals. However, violence, distrust, sectarian fanaticism, and the insatiable desire for dominance continued to grow instead of diminishing. Violence and war neither stopped nor ended. What an irony of human history is that while education and literacy have expanded significantly worldwide, understanding of human nature has also increased. These psychological and social aspects have been deeply researched and studied, human cruelty has not diminished, but rather increased. Educationists have long believed that the future of every nation is written in its schools and other educational institutions. In the current period of history, this seems a highly acceptable fact. The solution to all global problems lies in India's tradition of acquiring knowledge and its proper utilization. India must develop a long-term strategy to fulfill its historical responsibility in establishing peace. There is no other way.

Concerns about women's reservations must be addressed.

A firm stance must be taken against unruly behavior and indecent language used under the guise of parliamentary immunities granted in Parliament and Legislative Assemblies by Articles 105 and 194 of the Constitution, so that women do not feel uncomfortable both inside and outside the House. The Modi government wants to implement 33% women's reservations soon. The aim is to expedite the process by removing the delimitation requirement. Concerns are raised about the dominance of political dynasties and the OBC quota. The Modi government wants to quickly implement the constitutional provision for a 33% share of women in the Lok Sabha and State Legislative Assemblies. In this regard, the Nari Shakti Vandan Act, 2023, will be implemented only after the delimitation following the upcoming census. The census will be conducted in 2027 and the delimitation in 2028, a two-year timeframe. In this scenario, women's reservations will only be implemented in 2030, and in the Lok Sabha elections in 2034. According to this, it will take 8 to 11 years to provide women with a 33 percent political share. In this context, the Modi government wants to implement women's reservations quickly, freeing them from the constraints of delimitation. This initiative to provide representation to half the population in the Legislative Assembly and Lok Sabha is welcome. According to the current delimitation, there are currently 4,123 MLAs in all states, of which 392 are women. With 33 percent reservation, this number will increase to over 1,300. There are 75 women in the current Lok Sabha. After the reservation provision, 181 women will be elected in the 2029 Lok Sabha elections. This will be a historic opportunity for women's political empowerment. Meanwhile, the question is whether ordinary women are aware of this. Is there any motivation, education, or training available to them to take advantage of this opportunity? Is it possible that reserved seats for women will be filled only by women from political families? Will only women from the families of current MPs, MLAs, and powerful leaders benefit from this? This is what happened in panchayats and municipal bodies. Much will depend on the approach political parties adopt in selecting women candidates. If they only seek winnable candidates, the expected outcome will be the same. It must also be ensured that women's participation is not limited to mere attendance. They must understand the structure of the legislature, its functioning, the rules and regulations governing it, debating skills, the complexities of policymaking, the workings of various government ministries, the constitutional and legal knowledge required for decision-making, an understanding of serious issues facing the country and abroad, and the democratic norms of the ruling party and the opposition. They must be able to raise the issues of their constituencies and express their views on issues such as state and national development and security. Newly elected women representatives must also understand that they will not be able to function as a women's group in the House. Due to the 52nd Amendment to the Constitution, the Anti-Defection Law (1985), they will be bound by the directives of their respective parties. They will have to behave and vote in the House in accordance with the instructions of their party's whips. Otherwise, their membership will be terminated. One aspect of implementing women's reservations will be that it will reduce the number of seats and options available to male candidates in each state. Women can contest elections from all seats, but men will only be able to contest from "non-women" seats. This situation will be challenging for all parties. It could lead to dissatisfaction and fragmentation within political parties. The Election Commission will also face a problem. The 106th Amendment does not provide any criteria for reserving seats for women. How will the Commission determine the number of seats for women? The Constitution provides an objective basis for demarcating constituencies for Scheduled Castes and Scheduled Tribes: "Maximum numbers." In this context, women constitute "half the population," and numbers cannot be the basis for reservation for them. Some opposition parties are demanding an OBC quota within women's reservations, which is unconstitutional. The Constitution ensures reservations for Scheduled Castes and Scheduled Tribes in the Lok Sabha and Legislative Assemblies, but not for OBCs. If this demand is accepted, other problems could arise. For example, there is currently no OBC census. This census will only be conducted in 2027. Another problem will be that if there is reservation for female OBCs, why not for male OBCs? The opposition may corner the government on this issue. While the increasing representation of women in Parliament and Legislative Assemblies holds promise for a highly inclusive, historic, and egalitarian society, some associated concerns cannot be ignored. Women's representation at the Panchayat and Municipal levels has generally remained symbolic. Only elected women will be eligible for Parliament and Legislative Assemblies. Therefore, attention must be paid from now on to toilet facilities for newcomers to Parliament and Legislative Assemblies, menstrual arrangements, and the availability of private spaces for pregnant or lactating women. A firm stance must be taken against unruly behavior and indecent language used in Parliament and Legislativ.

मुरादाबाद पीएसी में सनसनीः सिपाही ने फंदे से लटककर दी जान, दो बहनों की शादी के बाद लौटे थे ड्यूटी पर

मुरादाबाद की नौवीं पीएसी वाहिनी में ट्रेनर सिपाही विकास गौतम ने अपने आवास में फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। वह तीन दिन पहले ही बहनों की शादी कराकर ड्यूटी पर लौटे थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है।नौवीं पीएसी आवास पर फंदे से लटककर आत्महत्या कर और तीन दिन पहले ही अपनी दो बहनों की मच गया।किठौर थानाक्षेत्र के भटीपुरा निवासी पद पर कार्यरत थे। सोमवार सुबह उन्होंने इसके बाद उन्होंने साथियों से कपड़े बदलने कहा।आवास पहुंचकर उन्होंने दरवाजा अंदर साथ रहने वाले साथी विपिन कुमार दस दिन बंद पाया और आवाज लगाने पर भी कोई को बुलाया और दरवाजा तोड़ दिया। अंदर पीएसी अधिकारियों को सूचना दी गई। पुलिस दिया। एक अप्रैल को हुई थी दो बहनों की बहनों की शादी एक अप्रैल को हुई थी। वह थे। शादी के तुरंत बाद हुई इस घटना से

वाहिनी में तैनात सिपाही विकास गौतम ने अपने ली। वह प्रशिक्षु सिपाहियों को प्रशिक्षण दे रहे थे शादी करके लौटे थे। इस घटना से वाहिनी में हड़कंप विकास गौतम नौवीं पीएसी वाहिनी में सिपाही के प्रशिक्षण मैदान में प्रशिक्षु सिपाहियों की गणना की। की बात कहकर आवास पर वापस जाने को से बंद कर लिया और फंदे पर लटक गए। उनके की छुट्टी के बाद आवास पर लौटे। विपिन ने दरवाजा जवाब नहीं मिला। उन्होंने आसपास के अन्य जवानों विकास गौतम फंदे पर लटके हुए मिले। इसके बाद ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज शादी- बताया जाता है कि विकास गौतम की दो तीन अप्रैल को शादी समारोह से वापस वाहिनी लौटे परिवार और साथियों में गहरा सदमा है। आत्महत्या के पीछे के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस जांच जारी- पुलिस अधीक्षक सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि आत्महत्या के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस सभी पहलुओं से मामले की छानबीन कर रही है। फिलहाल, कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

बीमा के रुपयों के लिए बीवी-बच्चा माराः नशीली गोली खिलाकर किया था महिला सिपाही को बेहोश, फिर फूंक दी थी कार

रामपुर के गंज क्षेत्र में महिला सिपाही और उसके बेटे की मौत हादसा नहीं बल्कि पति द्वारा रची गई साजिश निकली। आरोपी पति ने नशीली गोली देकर पत्नी की हत्या कर कार में आग लगाकर घटना को दुर्घटना दिखाने की कोशिश की थी। कर लिया है।रामपुर के गंज क्षेत्र में महिला सनसनीखेज खुलासा हुआ है। पुलिस ने सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। की गई थी।पुलिस अधीक्षक सोमेंद्र मीणा ने उसके बेटे लड्डू 25 फरवरी को कार में आग घटना में पति दान सिंह घायल हो गया था। बाद में यह एक सोची-समझी साजिश ही पत्नी लता की हत्या की थी। हत्या से बेहोश कर दिया था। बेहोशी की हालत में बाद कार में आग लगा दी गई, जिससे मां-अपने साथियों के साथ मिलकर इस वारदात हत्या-पुलिस के अनुसार, दान सिंह का मुख्य बीमा धनराशि को हड़पना था। उसने इस

पुलिस ने पति समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार सिपाही और उसके बेटे की हत्या का मामले में महिला सिपाही के पति दान सिंह यह हत्या बीमा की धनराशि हड़पने के लिए बताया कि श्रावस्ती में तैनात सिपाही लता और लगने से मौत हो गई थी। गंज क्षेत्र में हुई इस शुरुआती जांच में इसे हादसा माना गया, लेकिन निकली।जांच में सामने आया कि दान सिंह ने पहले उसने पत्नी को नशीली गोली खिलाकर उस पर हथौड़ी से हमला किया गया। इसके बेटे की मौके पर ही मौत हो गई। दान सिंह ने को अंजाम दिया था। बीमा की राशि के लिए मकसद पत्नी की मौत के बाद मिलने वाली जघन्य अपराध को अंजाम देने के लिए साजिश रची। पहले लता को नशीली गोली दी गई ताकि वह विरोध न कर सके। फिर हथौड़ी से हमला कर उसकी जान ली गई। साक्ष्य मिटाने के लिए कार में आग लगा दी गई, जिससे यह एक दुर्घटना लगे। पुलिस की जांच जारी -पुलिस ने मामले की जांच के बाद दान सिंह और उसके दो साथियों को गिरफ्तार कर लिया है। दो अन्य आरोपी अभी भी फरार हैं। उसकी तलाश जारी है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। जल्द ही फरार आरोपियों को भी पकड़ लिया जाएगा।

बिल्ली समझकर शावक को पकड़ा, तेंदुए ने किसान को पंजा मारकर किया घायल, कई गांवों में मचा है हाहाकार

ठाकुरद्वारा में किसान ने शावक को बिल्ली का बच्चा समझकर पकड़ लिया। इसे देख मादा तेंदुए ने उस पर हमला कर दिया। इसमें किसान घायल हो गया। वन विभाग ने मौके पर पहुंचकर लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी। ठाकुरद्वारा के गांव समझना एक किसान को भारी पड़ गया। किसान बीच से अचानक निकले तेंदुए ने हमला कर की है। गांव ढाक वाला मझरा निवासी देवेंद्र पड़ोसी के खेत में दिखे शावक को बिल्ली का होते ही वह चिल्लाकर गांव की ओर भागे। उनसे तक तेंदुआ और शावक गायब हो चुके थे। ग्रामीणों ठाकुरद्वारा के सरकारी अस्पताल ले जाकर उपचार सिंह और पीयूष जोशी टीम के साथ गांव पहुंचे। की मांग की है। वन दरोगा संजय सिंह ने बताया

ढाक वाला मझरा में खेत में नजर आए शावक को बिल्ली का बच्चा ने जैसे ही उसके साथ खिलवाड़ शुरू किया तो चरी की फसल के दिया। पंजे के कई वार से किसान घायल है। यह घटना रविवार सुबह कुमार ने बताया कि वह घर से अपने खेत पर जा रहे थे। रास्ते में बच्चा समझकर पकड़ने पर तेंदुए ने हमला कर दिया। हमले में जख्मी मिली जानकारी पर कई ग्रामीण डंडे लेकर मौके पर पहुंचे लेकिन तब का मानना है कि हमलावर तेंदुआ मादा रही होगी। घायल देवेंद्र का कराया गया। घटना की जानकारी पर वन विभाग के दरोगा संजय घायल व अन्य किसानों से जानकारी ली। ग्रामीणों ने पिंजरा लगाने कि घटना से लग रहा है कि शावक को बचाने की नीयत से मादा तेंदुए ने हमला किया होगा। बाद में वह शावक को साथ ले गई होगी। ग्रामीणों से सतर्क रहने के लिए कहा गया है। पिंजरे में फंसे तेंदुए का नया ठिकाना कानपुर चिड़ियाघर कांठ क्षेत्र के गांव महदूद कलमी में 30 मार्च को घर में घुसकर दो साल की बच्ची को घायल करने के बाद पिंजरे में घिरे तेंदुए को कानपुर चिड़ियाघर पहुंचा दिया गया है। पकड़ में आने के बाद से वन विभाग ने उसे अब तक मुरादाबाद डियर पार्क में संरक्षण दिया था। वन विभाग के मुताबिक जांच में यह नर तेंदुआ पाया गया। उसकी उम्र 12 वर्ष आंकी गई थी। उम्र अधिक हो जाने से उसके दांत काफी घिस चुके थे। रविवार को जरूरी कागजी औपचारिकताएं पूरी करके तेंदुए को कानपुर चिड़ियाघर की टीम के सुपुर्द कर दिया। पाड़ला के पास पेड़ पर सोता हुआ तेंदुआ दिखने से मचा हड़कंप - ठाकुरद्वारा के गांव पाड़ला के पास पीपल के पेड़ पर एक तेंदुआ सोता हुआ हुआ मिला। जिसकी जानकारी मिलने पर आसपास के गांवों में भी हड़कंप मच गया। गांव लालपुर गोसाई निवासी कांग्रेस के पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष अबरार सैफी शनिवार को बाइक से गांव पाड़ला से लौट रहे थे। तभी उन्हें गांव के पास स्थित एक पीपल के पेड़ की डाल पर एक तेंदुआ लेटा हुआ दिखाई दिया। जो सो रहा था। अबरार सैफी ने बताया कि उन्होंने किसी तरह हिम्मत कर तेंदुए का फोटो अपने मोबाइल से खींच लिया। इसकी सूचना उन्होंने अपने गांव में जाकर भी दी। आसपास के गांवों में भी तेंदुआ होने की सूचना फैलने से हड़कंप मच गया। गांव पाड़ला और मधुपुरी के आसपास तेंदुए की गतिविधियां इससे पहले भी देखी गई हैं। ग्रामीण काफी समय से तेंदुए की गतिविधियों पर अंकुश लगाने की मांग वन विभाग से कर रहे हैं।

हजयात्रा 2026: मुरादाबाद से जाएंगे 2090 आजमीन, पहली फ्लाइट 16 को, इस बार यूपी से सभी को मिला मौका

दस दिन बाद शुरू होने वाली हज यात्रा में मुरादाबाद से 2090 आजमीन शामिल होंगे। पहली फ्लाइट 16 अप्रैल को दिल्ली से रवाना होगी और 20 मई तक उड़ानें चलेंगी। हजयात्रियों की वापसी दो जून से शुरू होकर 28 जून तक पूरी होगी। करीब दस दिन बाद हज के पाक सफर की शुरुआत हो जाएगी। इस बार मुरादाबाद से 2090 आजमीन इस पाक सफर के गवाह बनेंगे। आजमीनों को लेकर पहली फ्लाइट 16 अप्रैल को रवाना होगी। वहीं हज के अरकान पूरे होने के बाद दो जून से हजयात्रियों की वतन वापसी शुरू हो जाएगी।हजयात्रा 2026 के लिए यूपी से करीब 18760 आजमीनों ने आवेदन किया था। ये संख्या यूपी के निर्धारित कोटे से कम रही। ऐसे में आवेदन करने वाले सभी आजमीनों को हजयात्रा का टिकट मिल गया। इसमें मुरादाबाद के आजमीनों की संख्या करीब 2090 है।हजयात्रा के लिए चयनित आजमीनों की तैयारी अंतिम दौर में है। मुरादाबाद के आजमीन दिल्ली एयरपोर्ट से रवाना होंगे। 16 अप्रैल को 176 आजमीनों को लेकर पहली फ्लाइट हजयात्रा के लिए रवाना होगी। इसमें मुरादाबाद के भी आजमीन शामिल होंगे। रवानगी का यह सिलसिला 20 मई तक चलेगी। वहीं हजयात्रियों की वतन वापसी दो जून से होगी। वापसी की आखिरी फ्लाइट 28 जून को उड़ान भरेगी। पूर्व हज ट्रेनर हाजी मुख्तार असलम ने बताया कि 16 अप्रैल को पहली फ्लाइट मदीना के लिए रवाना होगी। मदीना पहुंचने वाले हजयात्रियों की वापसी जद्दा से होगी। जबकि जद्दा उतरने वाले हजयात्रियों की वतन वापसी मदीना से होगी। खाने पीने में बरतें सावधानी, नहीं होगी इबादत में परेशानी- हज के पाक सफर पर जाने वाले आजमीनों को खुदा की इबादत के साथ-साथ अपनी सेहत का भी खास ख्याल रखना होगा। डॉ. अजीम इकबाल के मुताबिक दुनिया के तमाम हिस्सों से आजमीनों के पहुंचने से वायरल इंफेक्शन का खतरा सबसे अधिक होता है। इसके कारण आजमीन का गला खराब हो जाता है और बुखार की जद में आ जाते हैं। हजयात्रियों को खाने पीने में सावधानी बरतनी चाहिए। क्योंकि वहां मिलने वाला जूस, पानी का काफी ठंडा होता है। आजमीनों को हज के अरकान की जानकारी दी- सराय पुख्ता स्थित मरकज वाली मस्जिद में रविवार रात दुआ के साथ दो दिवसीय हज प्रशिक्षण शिविर का समापन हो गया। शिविर में हजयात्रियों ने भाग लेकर हज के अरकार की जानकारी हासिल की। मुफ्ती अब्दुर्रहमान ने हज के पांच दिनों के अमल के बारे में बताया। उन्होंने हज के हर दिन किए जाने वाले जरूरी अरकान और उनके तरीकों को समझाया। वहीं, मुफ्ती अजमल ने उमरा करने की प्रक्रिया बताई। इसके अलावा मुफ्ती अफ्फान ने मदीना मुनव्वरा की हाजिरी और वहां के अदब के बारे में जानकारी दी। शिविर के आयोजन में राशिद जहूर, आदि सहयोग रहा।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा में कमेटियों पर घमासान, मुरादाबाद में दो उपाध्यक्षों का एलान नहीं, कार्यकर्ता भी करने लगे टिप्पणी

मुरदाबाद महानगर में भाजपा की नई जिला कमेटी को लेकर सोशल मीडिया पर असंतोष और विवाद बढ़ गया है। पार्टी कार्यकर्ता बधाई से ज्यादा आलोचना कर रहे हैं। कमेटी में आपराधिक मामलों वाले लोगों को शामिल करने और जातिगत असंतुलन के आरोप लग रहे हैं। भाजपा की घोषित जिला कमेटी को लेकर सोशल मीडिया में घमासान मचा हुआ है। नई जिला कमेटी को लेकर पार्टी से जुड़े लोग बधाई कम कोस ज्यादा रहे हैं। वहीं 21 दिन बाद भी महानगर कमेटी के उपाध्यक्ष के दो खाली पदों पर नामों का एलान नहीं हो सका।इसके अलावा चार अन्य पदाधिकारियों का भी चयन नहीं हो सका है। बृहस्पतिवार की रात भाजपा जिला कार्यकारिणी की घोषणा कर दी गई। 20 सदस्यीय जिला कमेटी में आठ उपाध्यक्ष, आठ मंत्री, तीन महामंत्री और एक कोषाध्यक्ष शामिल हैं।जिन पर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं उन्हें भी इस कमेटी में जगह दी गई। वहीं जातिगत असंतुलन भी देखने

को मिल रहा है। जिसे लेकर भाजपा से जुड़े लोग सोशल मीडिया पर खुलकर टिप्पणी करने लगे हैं। एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगा रहे हैं। वहीं छह साल तीन महीने बाद 16 मार्च को भाजपा महानगर कमेटी की घोषित की गई। इसमें छह उपाध्यक्ष, तीन महामंत्री, आठ मंत्री और एक कोषाध्यक्ष शामिल किए गए हैं। इसके अलावा कार्यकारिणी में 59 सदस्य बनाए गए हैं। जबकि उपाध्यक्ष के दो पद खाली हैं। इस कार्यकारिणी को घोषित हुए 21 दिन हो गए लेकिन अभी तक उपाध्यक्ष के रिक्त दोनों पद भरे नहीं गए। वहीं महानगर कमेटी में आईटी संयोजक, सोशल मीडिया संयोजक, मीडिया प्रभारी और कार्यालय मंत्री के भी नामों का भी एलान नहीं हो सका है। हरीश और अमित बनाए गए थे उपाध्यक्ष- 16 मार्च को भाजपा महानगर कमेटी की दो सूची घोषित की गई थी। पहली सूची में उपाध्यक्ष के सभी दस पदों पर नामों की घोषणा कर दी गई थी। इसमें हरीश प्रजापति और अमित सिंह मिंटू के नाम भी शामिल थे। लेकिन कुछ देर बाद शासन से नामित पार्षदों की सूची जारी कर दी गई। इस सूची में भी हरीश प्रजापति और अमित सिंह मिंटू के नाम शामिल थे। इसके बाद महानगर कमेटी की दूसरी सूची जारी की गई। इसमें दोनों के नाम हटाए दिए गए। नामित पार्षद घोषित होने से प्रदेश के कुछ और जिलों की र्यकारिणी में पद रिक्त चल रहे हैं। सभी रिक्त पदों पर एक साथ नामों की घोषणा होगी। उम्मीद है कि इस हफ्ते नाम घोषित हो जाएंगे। इसके अलावा महानगर कमेटी अन्य पदों के लिए भी नाम जारी कर दिए जाएंगे। - गिरीश भंडूला, भाजपा महानगर अध्यक्ष

स्वार सीएचसी का विधायक पुत्र ने कर दिया निरीक्षण, प्रभारी की कुर्सी पर बैठकर किए विभागीय दस्तावेज चेक

रामपुर के स्वार सीएचसी में विधायक पुत्र उमर अंसारी के प्रभारी की कुर्सी पर बैठकर निरीक्षण करने का वीडियो वायरल होने के बाद स्वास्थ्य विभाग सक्रिय हो गया है। मामले को लेकर सीएमओ ने जांच टीम गठित कर दी है। घटना पर क्षेत्र में सत्ता के दुरुपयोग को लेकर चर्चा तेज है।रामपुर के स्वार स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में विधायक शफीक अहमद अंसारी के पुत्र के निरीक्षण के दौरान प्रभारी की कुर्सी पर बैठकर निर्देश देने के मामले में स्वास्थ्य विभाग गंभीर हो गया है। सीएमओ ने वायरल वीडियो के आधार पर टीम गठित कर जांच शुरू करा दी है।अस्पताल की व्यवस्थाओं को लेकर शिकायतें मिलने पर विधायक के पुत्र उमर अंसारी ने शनिवार को सीएचसी का निरीक्षण किया था। इस दौरान सीएचसी प्रभारी की कुर्सी पर बैठकर उन्होंने दिशा निर्देश दिए थे, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। अभिलेख भी देखे थे। निरीक्षण के समय अस्पताल में कर्मचारियों की उपस्थिति, ड्यूटी रजिस्टर, दवा वितरण व्यवस्था, लैब संचालन और मरीजों को मिल रही सुविधाओं की भी समीक्षा की गई। मरीजों और तीमारदारों से बातचीत कर स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति जानी गई तथा अस्पताल प्रशासन को दवाएं अस्पताल से ही उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

डिलारी क्षेत्र के गांव मूलावान में गेहूं के खेत में भीषण आग, 4 बीघा फसल जलकर राख

क्यूँ न लिखूँ सच / मुरादाबाद। जनपद के थाना डिलारी क्षेत्र के गांव धींगरपुर मूलावान में उस समय

हड़कंप मच गया, जब अचानक गेहूं के खेत में भीषण आग लग गई। आग लगने का कारण फिलहाल अज्ञात बताया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, करीब 8 बीघा खेत में खड़ी गेहूं की फसल आग की चपेट में आ गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि देखते ही देखते करीब 4 बीघा गेहूं जलकर राख हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही गांव के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और सभी ने मिलकर आग बुझाने का प्रयास किया। कड़ी मशक्कत के बाद किसी तरह आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक किसान को भारी नुकसान हो चुका था। इस घटना से प्रभावित किसान को गहरा सदमा पहुंचा है। उसकी मेहनत और पूरी फसल जलकर नष्ट हो गई। पीड़ित किसान ने प्रशासन और सरकार से मुआवजे की मांग की है।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत महिलाओं को लैंगिक उत्पीड़न कानून की दी गई जानकारी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा /बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी मोनिका राणा के निर्देशानुसार मिशन शक्ति 5.0 के द्वितीय चरण के अंतर्गत ब्लॉक फतेहगंज के ग्राम कुरतरा स्थित वन स्टॉप सेंटर यूनिट-2 में कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ होने वाले लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम 2013 पर एक अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में केंद्र प्रबंधक सुश्री मानसी शर्मा ने महिलाओं को कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम 2013 के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने संगठित एवं असंगठित क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं को उनके अधिकारों एवं कानूनी संरक्षण के प्रति जागरूक किया।

वहीं काउंसलर शिवानी शर्मा ने महिला सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी साझा करते हुए वन स्टॉप सेंटर की सेवाओं एवं टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 181, 112, 1098, 1090, 108 और 1076 के बारे में अवगत कराया। कार्यक्रम के दौरान वन स्टॉप सेंटर यूनिट-2 का स्टाफ एवं ग्राम की किशोरी व महिलाएं उपस्थित रहीं।

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में सूक्ष्म-शिक्षण कार्यशाला का आयोजन, छात्राध्यापकों ने सीखे आधुनिक शिक्षण कौशल

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय, बरेली के बी.एड विभाग द्वारा सोमवार, 06 अप्रैल 2026 को सूक्ष्म शिक्षण– शिक्षण दक्षता में सुधार विषय पर एक कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य छात्राध्यापकों की शिक्षण दक्षता का विकास करना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. प्रतिभा शर्मा (विभागाध्यक्षा, एम.एड., बरेली कॉलेज), महामंत्री शशि भूषण अग्रवाल एवं प्राचार्य डॉ. सौरभ अग्रवाल द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। महामंत्री शशि भूषण अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि सूक्ष्म शिक्षण कार्यशालाएं शिक्षण कौशल के विकास का प्रभावी माध्यम हैं, जो भावी शिक्षकों को कक्षा शिक्षण के लिए तैयार करती हैं। उन्होंने प्रतिभागियों को सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करते हुए आयोजन की सराहना की। बी.एड विभागाध्यक्ष डॉ. कमल किशोर मेहरोत्रा ने बताया कि सूक्ष्म शिक्षण के माध्यम से शिक्षण प्रक्रिया को छोटे-छोटे भागों में विभाजित कर अभ्यास कराया जाता है, जिससे छात्राध्यापक अपनी कमियों को पहचानकर सुधार कर सकते हैं। कार्यशाला के दौरान प्राध्यापकों एवं छात्राध्यापकों ने पीपीटी के माध्यम से विभिन्न शिक्षण कौशलों का प्रभावी प्रदर्शन किया। इनमें प्रस्तावना, व्याख्यान, दृष्टांत, प्रश्न, उद्दीपन परिवर्तन, प्रदर्शन, श्यामपट्ट एवं पुनर्बलन कौशल प्रमुख रहे।

मुख्य अतिथि डॉ. प्रतिभा शर्मा ने महाविद्यालय के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि एक सफल शिक्षक बनने के लिए विषय ज्ञान के साथ-साथ प्रभावी संप्रेषण, प्रस्तुतीकरण एवं कक्षा प्रबंधन कौशल भी आवश्यक हैं। उन्होंने शिक्षा में एआई और तकनीकी के बढ़ते महत्व पर भी जोर दिया।

कार्यशाला में श्रेष्ठ प्रस्तुति के लिए आकाश सिंह, युशरा, नम्रता फिलिप्स एवं सुकांत कुमार सरोज को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन उपमा गुप्ता (संयोजिका) द्वारा किया गया, जबकि अंत में प्राचार्य डॉ. सौरभ अग्रवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया। आयोजन को सफल बनाने में डॉ. रंजना जायसवाल, नमिता गुप्ता, डॉ. शिवानी शर्मा एवं डॉ. दीक्षा रस्तोगी का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर चीफ प्रॉक्टर डॉ. विपुल मेहरोत्रा, डीन मयंक शर्मा, डॉ. रेशू जौहरी, डॉ. आकाश गंगवार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कुदरत का इंसाफ :: अगवा किए दो बच्चों की बची जान, हादसे में मारे गए अपहरणकर्ता

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / सीबीगंज में भीषण सड़क हादसे के पीछे निकली सनसनीखेज सच्चाई, गुरुग्राम से अगवा किए गए थे मासूम बरेली । सीबीगंज थाना क्षेत्र में लखनऊ-बरेली हाईवे पर हुए भीषण सड़क हादसे की कहानी अब पूरी तरह बदल गई है। पहले इसे सामान्य दुर्घटना माना जा रहा था, लेकिन जांच में जो सामने आया उसने सभी को हैरान कर दिया। दरअसल, हादसे का शिकार हुई बोलेरो कार में सवार पांचों लोग बदमाश थे। इनमें से तीन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल है। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि इसी कार से दो मासूम बच्चे भी बरामद हुए। जांच में पता चला कि ये दोनों बच्चे गुरुग्राम में रहने वाले ऑटो ड्राइवर मनोज के हैं, जिन्हें बदमाशों ने अगवा कर लिया था। उनका इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि बच्चों की हालत अब खतरे से बाहर है। बरेली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बच्चों के पिता मनोज को तलाश कर लिया है और उन्हें पूरी जानकारी दे दी गई है। साथ ही, गुरुग्राम पुलिस से भी संपर्क किया गया है ताकि पूरे अपहरण कांड का खुलासा किया जा सके। इस घटना को लोग कुदरत का इंसाफ कह रहे हैं, जहां एक तरफ अपराधियों का अंत हुआ, वहीं मासूमों की जिंदगी बच गई। अब पुलिस पूरे मामले की गहराई से जांच में जुटी है।

स्कूल के बच्चों को मिशन शक्ति के बारे में वे हेल्पलाइन नंबर सरकार की योजना के बारे में जागरूक कराया गया

क्यूँ न लिखूँ सच / सिकंदर राजा / मुरादाबाद थाना मुगलपुरा मिशन शक्ति अभियान फेज अ-5.0 के अंतर्गत चल रहे मिशन शक्ति अभियान के सम्बन्ध मे कंपोजिट विद्यालय पर जाकर महिलाओं व बालिकाओं के साथ गोष्ठी कर सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं जैसे- विधवा पेंशन योजना वृध्दावस्था पेंशन योजना सुकन्या समृद्धि योजना प्रधानमंत्री

आवास योजना मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना ,कृषि कर भुगतान योजना, कन्या सुमंगला योजना , प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना आदि से अवगत कराते हुए एवं महिलाओं को उनकी सुरक्षा एवं सम्मान के प्रति जागरूक करते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों जैसे- वूमेन पावर लाइन-1090 घरेलू हिंसा हेल्पलाइन-181 पुलिस आपातकालीन सेवा -112 स्वास्थ्य सेवा- 102,108 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर -1076 चाइल्ड लाइन 1098 साइबर क्राइम 1930, आदि के बारे में जागरूक किया गया तथा साइबर अपराध के बारे में जानकारी दी गई व पंपलेट वितरण किए गए MST 02 थाना मुगलपुरा जनपद मुरादाबाद

बरेली मे राजनीतिक बड़ा धमाका, गिरधारी पप्पू लड़ सकते है बिथरी से चुनाव

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा /बरेली। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की राजनीतिक जमीन पर मजबूत पकड़ रखने वाले चर्चित नेता गिरधारी पप्पू बिथरी से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने बरेली की राजनीति में अपनी मौजूदगी का अहसास कराया। पीलीभीत बाईपास के दिशा गार्डन में उनके बेटे धर्मेन्द्र सिंह

रिंकू साहू ने एक बड़ी सभा बुलाई, जिसमें भारी भीड़ जुटी। विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता शामिल हुए। ऊपरी तौर पर तो यह शुभकामना और मिलन कार्यक्रम था मगर वास्तविकता में यह गिरधारी पप्पू के बिथरी से चुनाव की तैयारी का पहला कदम था। समर्थकों की भारी भीड़ के बीच यह ऐलान किया गया कि गिरधारी पप्पू बिथरी से चुनाव लड़ेंगे मगर पार्टी कौन सी होगी, इसका खुलासा नहीं किया गया।आज साफ हो गया कि राजनीति का चर्चित चेहरा रहे गिरधारी लाल साहू गिरधारी पप्पू अब बरेली की राजनीति में दोबारा लैंड कर रहे हैं। उनकी पत्नी रेखा आर्या उत्तराखंड की भाजपा सरकार में असरदार कैबिनेट मंत्री हैं। गिरधारी पप्पू के बेटे धर्मेन्द्र सिंह रिंकू ने अपने पिता के समर्थन के लिए पीलीभीत बाईपास स्थित अपने दिशा पैलेस में एक बड़ी सभा बुलाई।

प्राचीन सोमनाथ ज्योतिर्लिंग अवशेषों के दर्शन से भक्ति में डूबी नाथनगरी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। नाथनगरी एक ऐतिहासिक और आध्यात्मिक क्षण की साक्षी बनी, जब एक हजार वर्ष प्राचीन सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के पावन अवशेषों के दर्शन कर श्रद्धालु भक्ति में सराबोर हो गए। आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन की ओर से त्रिवटी नाथ मंदिर में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। कार्यक्रम श्री श्री रविशंकर के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया, जिसके तहत देशभर में इन पावन अवशेषों को दर्शन हेतु ले जाया जा रहा है। बेंगलुरु स्थित आश्रम से स्वामी भव्य तेज सुबह करीब 9-45 बजे अवशेष लेकर मंदिर पहुंचे। मंदिर द्वार पर नाथ नगरी समिति के पदाधिकारियों ने ढोल-नगाड़ों के साथ उनका भव्य स्वागत किया। करीब 10 बजे विधि-विधान से अभिषेक पूजन शुरू हुआ, जो लगभग एक घंटे तक चला। पूजन के दौरान स्वामी भव्य तेज ने मंच पर उपस्थित महंतों का सम्मान किया और बाद में श्रद्धालुओं को अवशेषों के दर्शन कराए। जैसे ही पूजन थाल में पावन अवशेष रखे गए, श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी और पूरे श्रद्धाभाव से दर्शन किए गए। इस दौरान मंदिर परिसर में भक्ति और उत्साह का अद्भुत माहौल देखने को मिला। आर्ट ऑफ लिविंग से जुड़े पार्थो कुनार सहित अन्य सदस्यों ने व्यवस्थाएं संभालीं। कार्यक्रम में मनीष शर्मा, डॉ. प्रमेंद्र माहेश्वरी, संजीव औतार अग्रवाल, संचित अग्रवाल सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

वीडीएस कोऑर्डिनेटर श्वेता कुनार ने बताया कि यह आयोजन न केवल धार्मिक बल्कि सांस्कृतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि ये पावन अवशेष पिछले 100 वर्षों से तमिलनाडु में गुप्त रूप से सुरक्षित रखे गए थे, जिन्हें अब देशभर के श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए लाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह यात्रा पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, केरल और तमिलनाडु से होते हुए उत्तर प्रदेश के झांसी, कानपुर, आगरा, मेरठ, मुरादाबाद के बाद बरेली पहुंची है। यह यात्रा भारतीय आध्यात्मिक विरासत, भक्ति और राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक बनकर उभर रही है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

अनाथ बच्चों का संबल बनी 'मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना', मिल रहा पोषण और उज्ज्वल भविष्य

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत। कोविड-19 महामारी के बाद अनाथ हुए बच्चों के लिए प्रदेश सरकार सहारा बनकर उभरी है। मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के तहत ऐसे बच्चों को न सिर्फ आर्थिक सहायता दी जा रही है, बल्कि उनके शिक्षा, चिकित्सा और भविष्य को भी सुरक्षित किया जा रहा है। योजना के अंतर्गत पात्र बच्चों को ?4000 प्रतिमाह की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है, जिससे उनका भरण-पोषण सुचारू रूप से हो सके। साथ ही 11 से 18 वर्ष तक के बच्चों को कक्षा 12 तक की नि:शुल्क शिक्षा हेतु अटल आवासीय विद्यालयों एवं कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों में प्रवेश दिलाया जा रहा है।

बालिकाओं के सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान देते हुए सरकार द्वारा शादी योग्य होने पर ?1,01,000 की आर्थिक सहायता भी दी जा रही है। इसके अलावा कक्षा 9 या उससे ऊपर के छात्र-छात्राओं को डिजिटल शिक्षा से जोड़ने के लिए टेबलेट और लैपटॉप उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

विभागीय आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 तक 16,061 बच्चों को इस योजना का लाभ मिल चुका है। वर्तमान वर्ष में 14,214 बच्चों को ?4000 प्रतिमाह की सहायता दी जा रही है, जबकि अब तक 1003 बच्चों को लैपटॉप वितरित किए जा चुके हैं।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) के तहत उन बच्चों को भी सहायता दी जा रही है, जिन्होंने कोरोना के अलावा अन्य कारणों से अपने माता-पिता या अभिभावकों को खोया है। इस योजना में ?2500 प्रतिमाह की सहायता प्रदान की जा रही है। अब तक इस श्रेणी में 1,03,430 बच्चों को लाभान्वित किया जा चुका है, जबकि वर्तमान में 87,082 बच्चों को इसका लाभ मिल रहा है।

सरकार की यह पहल अनाथ बच्चों के लिए नई उम्मीद बनकर सामने आई है। यह योजना न केवल उनके वर्तमान को संवार रही है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाकर उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर भी कर रही है।

10 हजार की रिश्वत लेते खनन विभाग का क्लर्क रंगे हाथ गिरफ्तार

भ्रष्टाचार निवारण टीम की बड़ी कार्रवाई, ट्रैप कर पकड़ा आरोपी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत भ्रष्टाचार निवारण संगठन की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। खनन विभाग में तैनात चतुर्थ श्रेणी के लिपिक महमूद रजा खां को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है।

बताया जा रहा है कि आरोपी लिपिक ने एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को मुक्त कराने और संबंधित फाइल को जिलाधिकारी कार्यालय भेजने के एवज में रिश्वत की मांग की थी। पीड़ित देव प्रकाश ने इसकी शिकायत भ्रष्टाचार निवारण संगठन से की थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए संगठन की टीम ने जाल बिछाया और आज दोपहर करीब 12-52 बजे खनन अधिकारी कार्यालय से आरोपी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। इस पूरी कार्रवाई का नेतृत्व ट्रैप टीम प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र सिंह ने अपनी टीम के साथ किया। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत थाना कोतवाली में मुकदमा दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

बनारस-बरेली एक्सप्रेस से कटकर युवक की दर्दनाक मौत, ऊपरी चक्कर' की चर्चा से मामला संदिग्ध

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली, फरीदपुर । फरीदपुर क्षेत्र में मंगलवार को एक बेहद दर्दनाक हादसा सामने आया, जिसने पूरे इलाके को दहला दिया। बनारस से बरेली की ओर आ रही बनारस-बरेली एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से 27 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा फरीदपुर (पीतांबरपुर) रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर सुबह करीब 11ः19 बजे हुआ, जिससे स्टेशन परिसर में अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जैसे ही ट्रेन स्टेशन पर पहुंची, युवक अचानक उसकी चपेट में आ गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद स्टेशन पर मौजूद यात्रियों में चीख-पुकार मच गई और पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना के चलते पीछे से आ रही त्रिवेणी एक्सप्रेस को नवादा फाटक पर करीब एक घंटे तक रोकना पड़ा, जिससे यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। सूचना मिलते ही रेलवे पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। फरीदपुर कोतवाली प्रभारी राधेश्याम को सूचना दी गई, जिसके बाद स्थानीय पुलिस टीम ने भी मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू कर दी। मौके पर मौजूद पशु चिकित्सालय के कर्मचारियों की मदद से मृतक की पहचान मुनीश यादव (27) पुत्र अमर सिंह यादव, निवासी मोहल्ला उत्तमगंज पश्चिमी, फतेहगंज पूर्वी के रूप में हुई। बताया गया कि वह हाल ही में पशु चिकित्सालय में नियुक्त हुआ था और परिवार का मुख्य सहारा था। सूत्रों के अनुसार, मृतक पिछले कुछ समय से अपने साथियों से मानसिक परेशानी और ऊपरी चक्कर जैसी बातों का जिक्र कर रहा था। इस खुलासे के बाद घटना को लेकर कई तरह की आशंकाएं जताई जा रही हैं, जिससे मामला संदिग्ध हो गया है। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंच गए। बेटे की मौत की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया। मृतक अपने पीछे एक भाई, एक बहन, पत्नी और करीब तीन साल का मासूम बेटा छोड़ गया है। फिलहाल रेलवे पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि यह हादसा था या इसके पीछे कोई और वजह छिपी है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर खास : स्वास्थ्य के लिए एकजुट हों और विज्ञान के साथ खड़े हों थीम के साथ जागरूकता अभियान, एचपीवी टीकाकरण पर रहेगा जोर

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर आज मंगलवार को जनपद बरेली में स्वास्थ्य जागरूकता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस वर्ष की थीम स्वास्थ्य के लिए एकजुट हों और विज्ञान के साथ खड़े हों जिसके तहत विशेष रूप से ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) टीकाकरण पर जोर दिया जाएगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विश्राम सिंह ने बताया कि हर वर्ष 7 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। इस बार की थीम समाज को यह संदेश देती है कि बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं और रोगों से बचाव केवल विज्ञान और सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। उन्होंने कहा कि चाहे एचपीवी टीकाकरण हो, टीबी नियंत्रण हो या अन्य बीमारियों की रोकथाम-विज्ञान हमेशा सुरक्षित और प्रमाणिक रास्ता दिखाता है। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर स्कूलों में निबंध, पोस्टर, वाद-विवाद और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा, जिससे बच्चों और किशोरों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़े। सीएमओ ने बताया कि पिछले 100 वर्षों में वैज्ञानिक नवाचारों से स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़ा सुधार हुआ है। भविष्य में वन हेल्थ दृष्टिकोण-जिसमें इंसान, पशु, पौधे और पर्यावरण सभी शामिल हैं-के माध्यम से समग्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जा सकता है। प्लेग, पोलियो, नवजात टिटनेस और स्मॉलपॉक्स जैसी बीमारियों पर नियंत्रण विज्ञान की ही देन है। हाल ही में कोविड-19 जैसी महामारी को भी टीकाकरण के माध्यम से प्रभावी रूप से नियंत्रित किया गया है। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. प्रशांत रंजन ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य दिवस पर सभी सीएचसी और कोल्ड चेन पॉइंट्स पर एचपीवी टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपनी 14 वर्षीय किशोरियों का टीकाकरण अवश्य कराएं, जिससे सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाव संभव हो सके। स्वास्थ्य विभाग ने जनमानस से अपील की है कि वे इस अभियान का हिस्सा बनें, अपने अनुभव साझा करें और विज्ञान आधारित स्वास्थ्य सेवाओं को अपनाकर एक सुरक्षित, स्वस्थ और खुशहाल समाज के निर्माण में अवश्य सहयोग दें।

शिवम गैस एजेंसी पर एसडीएम ने किया औचक निरीक्षण, उपभोक्ताओं ने खोली सिलिंडर वितरण की पोल

बहेड़ी की एसडीएम इशिता किशोर ने सोमवार को शेरगढ़ में शिवम गैस एजेंसी पर औचक निरीक्षण किया। इस दौरान वहां मौजूद उपभोक्ताओं ने सिलिंडर वितरण की पोल खोल दी। इस पर एसडीएम ने एजेंसी संचालक को व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिएबरेली के शेरगढ़ में शिवम गैस एजेंसी पर सोमवार को उपजिलाधिकारी (एसडीएम) बहेड़ी इशिता किशोर ने औचक निरीक्षण किया, जिससे एजेंसी कर्मियों में खलबली मच गई। निरीक्षण के दौरान एजेंसी की व्यवस्थाओं की पोल खुल गई और मौके पर मौजूद उपभोक्ताओं ने शिकायतों की झड़ी लगा दी। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना पूर्व सूचना के ही गैस सिलिंडरों की डिलीवरी कर दी गई है, जिससे उन्हें गैस नहीं दी जा रही है। उपभोक्ताओं ने यह भी शिकायत की कि एजेंसी द्वारा होम डिलीवरी की सुविधा नहीं दी जा रही है, जिससे उन्हें स्वयं एजेंसी तक आकर सुबह से ही लाइन में लगना पड़ रहा है।कर्मचारी नहीं दे सके संतोषजनक जवाब -शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम इशिता किशोर ने एजेंसी कर्मचारियों से होम डिलीवरी की व्यवस्था की जानकारी मांगी और समय सारिणी रजिस्टर प्रस्तुत करने को कहा। इस पर कर्मचारी कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सके और न ही संबंधित रजिस्टर दिखा पाए। इस पर एसडीएम ने कड़ी नाराजगी जताते हुए कार्रवाई की चेतावनी दी और तत्काल व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान नगरिया खुर्द के तौकीर अहमद और भाजपा नेता राघवेंद्र पाठक भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने क्षेत्रवासियों की समस्याओं से एसडीएम को अवगत कराया। एजेंसी से 100 मीटर हो रहा था सिलिंडर का वितरण - इसके बाद एसडीएम ने गैस एजेंसी से करीब 100 मीटर दूर शाही-शेरगढ़-बहेडी मार्ग पर मंदिर के पास सड़क किनारे हो रहे गैस सिलिंडरों के वितरण को भी देखा। इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए उन्होंने मौके पर ही कड़ी फटकार लगाई और तत्काल उस व्यवस्था को बंद कराकर एजेंसी परिसर से ही वितरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। एसडीएम इशिता किशोर ने बताया कि औचक निरीक्षण के दौरान कई अनियमितताएं सामने आई हैं, जिन्हें तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि व्यवस्थाओं में सुधार नहीं हुआ तो संबंधित एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

अग्निकांड में जलीं किताबें: पढ़ लिखकर डॉक्टर बनना चाहती है सावित्री, पूर्व सीएम अखिलेश ने ली जिम्मेदारी

अपने जले हुए घर में स्कूल का बस्ता और किताबें खो देने वाली आठ साल की सावित्री पढ़-लिखकर डॉक्टर बनना चाहती है। पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने उसकी पढ़ाई की जिम्मेदारी ली है।सीतापुर जिले के सदरपुर के सरैंया चलांकापुर गांव में शनिवार को हुए भीषण अग्निकांड में कई परिवारों की खुशियां जलकर राख हो गई थीं।उसी में सरैंया गांव निवासी हरिश्चंद्र की 8 वर्षीया पुत्री सावित्री का पूरा बस्ता आग में स्वाहा हो गया था। अगले दिन सुबह जब लोग अपने घरों का जला अधजला सामान निकाल रहे थे इसी बीच सावित्री भी अपने जले हुए बस्ते से अधजली किताब पर पेंसिल से होमवर्क करने लगी।उस अबोध को क्या पता कि उसके घर की गृहस्थी जल गई है।इसी बीच घर के पास मौजूद किसी व्यक्ति ने उसका फोटो खींचकर फेसबुक पर अपलोड कर दिया। जिसे देखकर उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने इस बच्ची की आगे की पूरी पढ़ाई का जिम्मा अपने ऊपर लेते हुए टिप्पणी की थी।एजेंसी की टीम सावित्री के घर पहुंची। सावित्री ने बताया कि वह गांव के प्राइमरी स्कूल में कक्षा 4 की छात्रा है। वह रोज पढ़ने जाती थी और खूब मेहनत से पढ़ाई करती थी लेकिन उसकी किताबें जल गईं। हालांकि उसे नई किताबें मिल गई हैं। उसने बताया कि मैं पढ़ लिख कर डाक्टर बनना चाहती हूं। लड़के लड़की में भेद नहीं करता हूँ हरिश्चंद्र- सावित्री के पिता हरिश्चन्द्र व माता संगीता ने बताया कि वह बहुत गरीब हैं। उनके पास मात्र 15 बिसुवा जमीन है जिससे वह मेहनत मजदूरी करके अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं। हरिश्चंद्र के परिवार में सावित्री के अलावा एक 4 वर्ष की बेटी सीमा व 3 वर्ष का एक बेटा दिपांशु है। हरिश्चंद्र कहते हैं कि मैं लड़का और लड़की में भेद नहीं करना चाहता था। इसलिए मैं गरीब होने के बावजूद अपनी बेटी सावित्री को पढ़ा-लिखा कर अफसर बनाना चाहता हूं। इस समय परिवार में गमी है और चूल्हा भी नष्ट हो चुका है इसलिए अभी भोजन घर में नहीं बन पा रहा है। फिलहाल गांव, पास पड़ोस के संभ्रांत लोगों व ग्राम प्रधान द्वारा भोजन की व्यवस्था की जा रही है। सरकार तथा अन्य प्रतिनिधियों द्वारा भी राशन उपलब्ध कराया गया है।

संक्षिप्त समाचार

अवैध तमंचे के साथ फरार आरोपी गिरफ्तार, फायरिंग में महिला हुई थी घायल

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। थाना बिथरी चैनपुर पुलिस टीम ने गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए मु0अ0सं0 178/26 से संबंधित वांछित अभियुक्त अमित कुमार को पुरनापुर नहर मार्ग से घेराबंदी कर गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक अवैध तमंचा .315 बोर और दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। आरोपी के खिलाफ धारा 115(2), 352, 351(3), 109(1) बीएनएस तथा 3/25/27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज है। पूछताछ में आरोपी अमित कुमार ने बताया कि उसकी बहन को पुष्पेंद्र नामक युवक भगा कर ले गया था, जिसके चलते दोनों पक्षों के बीच पुरानी रंजिश चल रही थी। इसी रंजिश के चलते 05 अप्रैल को उसने विनोद उर्फ बंटू पर जान से मारने की नीयत से फायर किया, लेकिन गोली पास में खड़ी एक महिला को लग गई, जिससे वह घायल हो गई। मैंने पुरानी रंजिश के चलते फायर किया था, बाकी बात कोर्ट में बताऊंगा। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है और आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। थानाध्यक्ष राजेश बाबू मिश्रा, उपनिरीक्षक इंतजार हुसैन, और कांस्टेबल आकाश कुमार की अहम भूमिका रही। फिलहाल पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी है और आरोपी के आपराधिक इतिहास की भी पड़ताल की जा रही है।

एक और पत्नी का कत्ल: नग्न मिली एकता की लाश, हत्या के बाद पति पहुंच गया नशा मुक्ति केंद्र; दूधवाले ने खोला राज

हत्या की यह वारदात सिविल लाइंस की शिव विहार कॉलोनी की है। मेरठ जिले के मवाना तहसील के ग्राम खटीना निवासी राहुल की मुजफ्फरनगर के खतौली थाना क्षेत्र के भैंसी गांव निवासी पत्नी एकता उर्फ पूजा चमरौवा ब्लॉक के ठाकुरद्वारा स्थित परिषदीय स्कूल में शिक्षिका के पद पर तैनात थीं।यूपी के रामपुर स्थित सिविल लाइंस कोतवाली क्षेत्र के शिव विहार कॉलोनी में किराए के मकान में रहने वाली परिषदीय स्कूल में तैनात शिक्षिका की गला घोंटकर हत्या कर दी गई। हत्या की यह वारदात सामने आने के बाद शक के दायरे में आए शिक्षिका के पति को पुलिस ने मेरठ के नशा मुक्ति केंद्र से हिरासत में ले लिया। निर्वस्त्र मिली थी पत्नी की लाश

पुलिस का कहना है कि हत्या के बाद आरोपी पति मेरठ के नशा मुक्ति केंद्र में चला गया था। पुलिस के सामने आरोपी ने हत्या की बात को कबूल कर लिया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। घटना के बाद हड़कंप मचा हुआ है। शिक्षिका का शव उनके ही कमरे में निर्वस्त्र हालत में पाए जाने के बाद पुलिस हरकत में आई।परिषदीय स्कूल में शिक्षिका थीं एकता

हत्या की यह वारदात सिविल लाइंस की शिव विहार कॉलोनी की है। मेरठ जिले के मवाना तहसील के ग्राम खटीना निवासी राहुल की मुजफ्फरनगर के खतौली थाना क्षेत्र के भैंसी गांव निवासी पत्नी एकता उर्फ पूजा चमरौवा ब्लॉक के ठाकुरद्वारा स्थित परिषदीय स्कूल में शिक्षिका के पद पर तैनात थीं। करीब दो साल पहले वह अपने पति व बच्चे के साथ शिव विहार कॉलोनी में सुभाष कुमार के मकान में किराए पर रहती थीं। दूध वाले के पहुंचे पर हुआ खुलासा- कॉलोनी के लोगों के अनुसार सोमवार की सुबह दूध वाला आया और उसने कई आवाजें दीं लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई। जिस पर दूध वाले ने मकान मालिक को मामले की जानकारी दी। बताते हैं कि फिर मकान मालिक ने कुछ लोगों के साथ खिड़की से झांककर देखा तो एकता का शव निर्वस्त्र हालत में पड़ा था। जिस पर उसने शोर मचाकर पड़ोसियों को सूचना दी। कुछ देर में ही मौके पर भीड़ जुट गई। सूचना पर पुलिस भी पहुंच गई। किसी तरह से अंदर जाकर पुलिस ने शव को ढंका और स्थानीय लोगों से पूछताछ की लेकिन कोई खास जानकारी नहीं मिल सकी। नशा मुक्ति केंद्र से पति गिरफ्तार- इसके बाद पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस की सूचना पर एकता के ससुराली व मायके वाले भी आ गए। अपर पुलिस अधीक्षक अनुराग सिंह के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला घुटने से मौत की पुष्टि हुई है। बताया कि आरोपी के पति को मेरठ के नशा मुक्ति केंद्र से हिरासत में लिया गया है। हत्या की वजह पता की जा रही है। अभी मामले की तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया जा रहा है। पुलिस ने कमरा किया सील- घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और फिर फारेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद किराए वाले कमरे को सील कर दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जिले में पीएनजी कनेक्शन को बढ़ावा देने हेतु अपील, गैसीफाइड क्षेत्रों में एलपीजी सरेंडर अनिवार्य

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी,जिले में स्वच्छ, सुरक्षित एवं किफायती ईंधन के उपयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) कनेक्शन को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस संबंध में जिले के समस्त नागरिकों से अपील की गई है कि जहां पीएनजी पाइपलाइन का विस्तार हो चुका है, वहां के निवासी एलपीजी गैस के स्थान पर पीएनजी कनेक्शन अपनाएं। शासन के निर्देशानुसार गैसीफाइड क्षेत्रों में निवासरत उपभोक्ताओं को 90 दिवस के भीतर अपना एलपीजी कनेक्शन सरेंडर करना अनिवार्य होगा। पीएनजी कनेक्शन हेतु आवेदन अधिकृत कंपनी थिंक गैस के माध्यम से किया जा सकता है। पीएनजी गैस के उपयोग के कई लाभ हैं। यह एलपीजी की तुलना में अधिक किफायती है, इसमें बुकिंग की आवश्यकता नहीं होती, 24 घंटे सतत आपूर्ति उपलब्ध रहती है तथा यह अपेक्षाकृत अधिक सुरक्षित भी है। जिन क्षेत्रों में पीएनजी का विस्तार किया गया है, वहां आवासीय विश्वविद्यालयों, स्कूलों एवं कॉलेजों के कम्युनिटी किचन, निजी हॉस्टल एवं आंगनवाड़ी किचन में पीएनजी कनेक्शन लेना अनिवार्य किया गया है। इसके साथ ही बड़े होटल, मैरिज गार्डन एवं अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में भी पीएनजी का उपयोग सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है। जिले में सिटी गैस नेटवर्क के संचालन में किसी भी प्रकार की समस्या के निराकरण हेतु जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया है। साथ ही संबंधित कंपनी को व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए बैनर, पोस्टर एवं पम्पलेट आदि के माध्यम से जनजागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं।

कलेक्टर ने शासकीय सेवकों के लिए आयोजित द्वितीय चरण के AI प्रशिक्षण को संबोधित किया

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा- जिला प्रशासन द्वारा शासकीय सेवकों को आधुनिक तकनीकों से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ϵ्व) प्रशिक्षण कार्यक्रम का द्वितीय चरण कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में आयोजित किया गया था।

कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा है कि शासकीय कार्यों में दक्षता, पारदर्शिता और त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एआई प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है।

उन्होंने कहा कि सभी शासकीय कार्यालयों में पदस्थ अपने-अपने विभागों से संबंधित इंजीनियर, उपयंत्री, सहायक यंत्री, एमआईएस कोऑर्डिनेटर, प्रोग्रामर, सहायक ई-गवर्नेंस मैनेजर तथा विभिन्न रिपोर्ट तैयार करने वाले अधिकारियों, कर्मचारी इस प्रशिक्षण में दी जा रही जानकारी को आत्मसात करें और बार-बार प्रेक्टिकल कर एआई से सम्पादित कराए जाने वाले कार्यो में निपुण हो। उन्होंने एआई टूल्स के उपयोग को सीखकर सतत उपयोग के लिए निर्देश दिए है। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि सरकारी कार्यो को सुव्यवस्थित रूप से अल्प अवधि में आधुनिक तौर तरीके से संपादित कराने में इस अवसर का लाभ उठाएं। मध्यप्रदेश शासन द्वारा एआई को नागरिक केंद्रित, पारदर्शी और कुशल शासन की आधारशिला के रूप में स्थापित किया गया है जिससे शिक्षा स्वास्थ्य पोषण सहित सभी क्षेत्रों में किए जाने वाले कार्यों में आधुनिकता लाई जा सके। एआई को अपनाकर सभी अपने कार्य को स्मार्ट बनने के लिए प्रयासरत रहें।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने एआई प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारी कर्मचारियों से संवाद भी किया इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि एआई प्रशिक्षण के द्वितीय चरण में ट्रेनर द्वारा बारीकी से एआई टूल्स की बारीकियों से अवगत कराया जा रहा है। सभी अधिकारी, कर्मचारियों सहित अन्य को एआई टूल्स की बारीकियों को समझने में परेशानी आए तो तुरंत ट्रेनर से संवाद कर अपनी दिक्कतों को हल करें।

सीपीसी एनालिटिक्स के पार्टनर और सह संस्थापक पुणे से आए श्री ओंकार साठे के द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को चेटजीपीटी से शासकीय कार्यो को कैसे और अधिक सरल सटीक व अल्प समय मंॅ पूरा करें की प्रायोगिक जानकारियां दी जाए। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों की जिज्ञासाओं का भी समाधान किया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए ई-दक्ष ट्रेनर श्री चंद्रजीत रघुवंशी को समन्वय की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

उक्त प्रशिक्षण में विभिन्न विभागो के जिला व खण्ड स्तरीय अधिकारियों के अलावा कार्यपालन यंत्री सहित उनके कार्यालयीन अधीनस्थ मौजूद रहे।

मानव धर्म के गुरु श्री सतपाल जी महाराज जी की माता राजराजेश्वरी देवी जन्म जयंती पर मरीज को किया फल वितरण

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप /फर्रुखाबाद- मानव धर्म के गुरु श्री सतपाल जी महाराज जी की माता राजराजेश्वरी देवी जन्म जयंती पर मरीज को किया फल वितरण डॉ राम मनोहर लोहिया अस्पताल के विभिन्न वार्डों भर्ती मरीजों को किया गया फल वितरण मानव उत्थान सेवा समिति आश्रम नेकपुर कला इटावा बरेली मशीनी चौराहा आश्रम रोड फर्रुखाबाद शाखा के कार्यकर्ताओं व भक्त लोग एवं महात्मा रोशनी बाई जी ने बताया की हर वर्ष 6 अप्रैल को डॉ राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती मरीजों को संस्था की ओर से फलों का वितरण किया जात है फलों का वितरण होने के बाद भजन कीर्तन का भी आनंद लिया संस्था को डॉक्टरों ने फल वितरण करने में सहयोग प्रदान किय इस मौके ,ष्टरू्ह डा जगमोहन शर्मा,जिला प्रधान सुनील फौजी ,सुशील कुमार , राधेश्याम, गीत गुप्ता, सुनीता यादव, हरीराम, जयसिंह ,सीमा , अभिलाषा, नरेश, सत्य प्रकाश,उदयपाल, विमलेश आदी लोग मौजूद रहे

मुरादाबाद वार्ड 49 दीवान का बाजार में स्मार्ट सिटी के दावों की खुली पोल

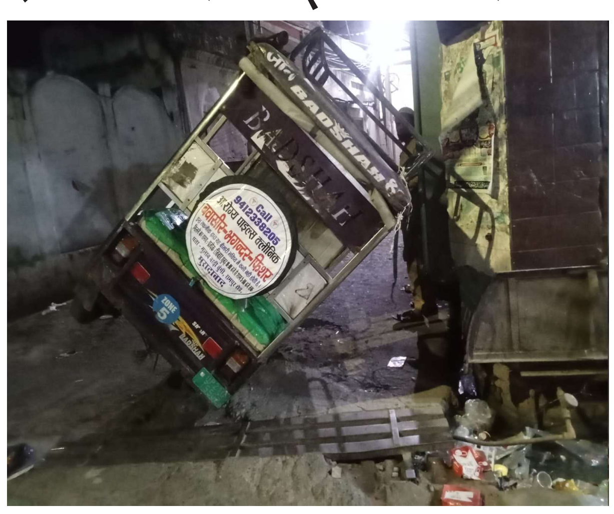

क्यूँ न लिखूँ सच / सिकंदर राजा / मुरादाबाद। शहर को स्मार्ट सिटी बनाने के दावों के बीच काजी टोला वार्ड 49 स्थित दीवान का बाजार क्षेत्र की हालत बेहद चिंताजनक बनी हुई है। ताजा तस्वीर ने नगर निगम और प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बताया जा रहा है कि क्षेत्र में सड़कों की स्थिति इतनी खराब है कि आए दिन हादसे हो रहे हैं। तस्वीर में साफ देखा जा सकता है कि एक लोडिंग वाहन टूटी सड़क और जलभराव के कारण असंतुलित होकर नाले में धंस गया। गली संकरी होने के साथ-साथ जगह-जगह गड्ढे और टूटी नालियां लोगों के लिए खतरा बनी हुई हैं।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि स्मार्ट सिटी के नाम पर सिर्फ कागजी काम हुआ है, जबकि जमीनी स्तर पर हालात बद से बदतर हैं। क्षेत्र में नालियों की सफाई नहीं होती, कूड़े के ढेर लगे रहते हैं और जल निकासी की कोई उचित व्यवस्था नहीं है। बारिश या पानी भरने की स्थिति में गंदगी और बदबू से लोगों का जीना मुश्किल हो जाता है। निवासियों का कहना है कि कई बार नगर निगम और संबंधित अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। नतीजा यह है कि छोटे-छोटे वाहन तक सुरक्षित नहीं निकल पाते और बड़े हादसों का खतरा लगातार बना रहता है। स्थानीय व्यापारियों ने भी नाराजगी जताते हुए कहा कि खराब सड़क और गंदगी के कारण ग्राहक क्षेत्र में आने से कतराते हैं, जिससे उनके व्यापार पर भी असर पड़ रहा है।जनता ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द सड़क निर्माण, नाली सुधार और सफाई व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए, ताकि क्षेत्र के लोगों को राहत मिल सके और इस तरह के हादसों पर रोक लग सके।

मुख्य समस्याएंःटूटी और जर्जर सड़कें नालियों का ओवरफ्लो और गंदगी जलभराव की गंभीर समस्या आए दिन हो रहे छोटे-बड़े हादसे नगर निगम की लापरवाही जनता की मांगः तत्काल सड़क और नाली का निर्माण नियमित सफाई व्यवस्था जल निकासी की उचित व्यवस्था जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई इस घटना ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि यदि समय रहते व्यवस्था नहीं सुधारी गई, तो भविष्य में और भी बड़े हादसे हो सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

पोहरी में आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण आयोजित, युवाओं एवं महिलाओं को किया गया जागरूक

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। जन अभियान परिषद विकासखंड पोहरी के अंतर्गत ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति खोदा द्वारा आपदा प्रबंधन संस्थान (डेप्प्ड), भोपाल के सहयोग से युवा

एवं नारी शक्ति उन्मुखीकरण एवं आपदा प्रतिरक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जन अभियान परिषद् के प्रशिक्षक एवं आपदा ट्रेनर मेंटर संदीप व्यास द्वारा प्रतिभागियों को बाढ़, भूकंप, अग्निकांड, ओलावृष्टि एवं अतिवृष्टि जैसी विभिन्न आपदाओं से बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि आपदा से पूर्व सतर्कता, सुरक्षित स्थानों की पहचान तथा समय पर जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर मेंटर ब्रजेश शर्मा ने जन अभियान परिषद की गतिविधियों की जानकारी देते हुए जल गंगा संवर्धन अभियान के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे अपने क्षेत्र में जल संरचनाओं की मरम्मत एवं स्वच्छता के कार्यों में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें, जिससे वर्तमान एवं भविष्य दोनों पीढ़ियों को लाभ मिल सके। कार्यक्रम में नवांकुर संस्था के प्रतिनिधि श्री सुरेंद्र धाकड़, प्रस्फुटन समिति सदस्य श्री हक्के रावत सहित अन्य सदस्य एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों में आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूकता एवं आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिला।

मंत्री का डाउन फाल शुरू, दबाव बनाकर मंत्री करा रहे काम, दिशा की बैठक के बाद विधायकों ने उठाई तख्तियां

यूपी के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह का बिना नाम लिए हरचंदपुर विधायक ने कहा कि जिले के अधिकारी एक मंत्री के इशारे पर

काम कर रहे हैं। टेंडर तक नहीं डालने देते। यदि कोई टेंडर डाल भी देता है तो उसके खिलाफ गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज करा दी जाती हैं। दिशा की बैठक के बाद सपा विधायक ने प्रदेश सरकार और अधिकारियों के खिलाफ जमकर भड़ास निकाली। हरचंदपुर विधायक राहुल लोधी और बछरावां विधायक श्याम सुंदर भारती ने हाथों में तख्तियां लेकर विरोध जताया।मंत्री का बिना नाम लिए हरचंदपुर विधायक ने कहा कि जिले के अधिकारी एक मंत्री के इशारे पर काम कर रहे हैं। टेंडर तक नहीं डालने देते। यदि कोई टेंडर डाल भी देता है तो उसके खिलाफ गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज करा दी जाती हैं। दबाव बनाकर टेंडरों को निरस्त करा दिया जाता है।हरचंदपुर विधायक ने दावे के साथ कहा कि यहां कि मंत्री का डाउन फाल शुरू हो गया है। एक दिन इतना डाउन फाल हो जाएगा कि मुंह दिखाने लायक नहीं रहेंगे। विधायक ने कहा कि अधिकारियों की अनसुनी का ही नतीजा है कि बीजेपी के एक भी विधायक दिशा की बैठक में शामिल होने के लिए नहीं आए।

उन्हें पता है कि दिशा की बैठक बात सुनने का भरोसा देने वाले अधिकारी बाद में सीधे मुंह बात तक नहीं करते हैं। विधायकों का प्रदर्शन देखते अमेठी के सांसद केएल शर्मा भी उनके पास पहुंच गए और उनकी समस्याओं को सुना। बछरावां विधायक ने उनके क्षेत्र में सांसद निधि से काम करवाने का अनुरोध किया। सांसद से कहा कि कार्यों की सूची उपलब्ध कराएं। प्राथमिकता पर उन्हें कराया जाएगा।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

कोर्ट से लौट रहे बाइक सवार बाबा-नाती को अज्ञात वाहन ने रौंदा, दोनों की मौत; ग्रामीणों ने जाम किया हाईवे

बाबा-नाती की मौत के बाद ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने हाईवे जाम कर दिया। स्थिति तनावपूर्ण देख अधिकारी फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। अधिकारियों ने निष्पक्ष कार्यवाही का आश्वासन देकर बमुश्किल जाम खुलवाया, जिसके भेजा गया।फिरोजाबाद के सिरसागंज थाना क्षेत्र के के पास सोमवार को सड़क हादसे में बाबा और ने इसे महज एक दुर्घटना मानने से इनकार करते हुए लोगों पर साजिश के तहत हत्या करने का पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।ग्राम (79) और उनका नाती विवेक (24) पुत्र राजकुमार दबरई में एक मुकदमे की तारीख पर गए थे। दोपहर थे, तभी सोथरा रोड पर नगला इमलिया मोड़ के बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में विवेक राजन सिंह ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के जाम, मौके पर पहुंचे अफसर- हादसे की खबर पड़ा और उन्होंने हाईवे जाम कर दिया। स्थिति अनिवेश कुमार, एसडीएम धर्मवीर भारती और थाना

बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए अरांव रोड स्थित इमलिया ओवरब्रिज नाती की मौत हो गई। पीड़ित परिजन परिवार के ही सदस्यों और अन्य सनसनीखेज आरोप लगाया है। नगला धीर निवासी राजन सिंह सोमवार सुबह जिला मुख्यालय में जब वे बाइक से वापस लौट रहे पास एक अज्ञात वाहन ने उनकी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दौरान दम तोड़ दिया।हाईवे पर लगा मिलते ही ग्रामीणों का गुस्सा फूट तनावपूर्ण देख सीओ सिरसागंज प्रभारी वैभव प्रताप सिंह भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने निष्पक्ष कार्यवाही का आश्वासन देकर बमुश्किल जाम खुलवाया, जिसके बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। 11 बीघा जमीन का विवाद और हत्या की साजिश का आरोप- मृतक के नाती तेजस यादव ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया है कि परिवार के ही तीन भाइयों ने राजन सिंह की 11 बीघा जमीन का करीब 1 करोड़ 10 लाख रुपये में फर्जी बैनामा कर दिया था। जालसाजी का पता चलने पर राजन सिंह ने कोर्ट के माध्यम से आरोपियों पर मुकदमा दर्ज कराया था, जिसकी पैरवी के लिए वे दबरई गए थे। आरोप है कि विपक्षी पक्ष लगातार राजन सिंह को जान से मारने की धमकी दे रहा था और सोमवार को हादसे के बहाने उनकी हत्या कर दी गई। पुलिस की जांच में ट्रक की नंबर प्लेट मिली-थाना प्रभारी वैभव प्रताप सिंह ने बताया कि मौके से एक संदिग्ध ट्रक की नंबर प्लेट बरामद हुई है। पुलिस टोल प्लाजा के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि टक्कर मारने वाले वाहन की पहचान हो सके। परिजनों द्वारा दी गई तहरीर और हत्या के आरोपों के आधार पर पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

Be sure to teach your son these 5 habits so your upbringing isn't questioned.

For a good upbringing, it's crucial to teach sons respect, responsibility, and sensitivity. Teaching them household chores, respect for women, and proper behavior is crucial. Society often focuses on raising daughters, how they should live, what they should wear, and how they should behave. But have you ever considered that raising sons is just as responsible? A good society can only be built when boys are taught proper values, respect, and responsibility from childhood. In today's times, it's crucial that we don't limit our sons to just studies and careers, but also teach them to be good human beings. It's crucial to teach them how important it is to respect women, understand others' feelings, and be responsible towards society. If right habits and thinking are developed from childhood, that child will grow into a sensitive and responsible citizen. In this article, we'll share five essential things every parent should teach their son, so they don't question their upbringing in the future. Respect women: Teach your son from childhood that it's important to respect every woman, whether at home or outside. This habit makes him a good person. Helping with household chores: It's important to teach boys that household chores aren't solely women's responsibility. Teach them to do small tasks like cleaning their room and putting away the dishes. Teach them to express their emotions: Boys are often told that boys don't cry, which is wrong. Teach them to express their feelings openly. Be empathetic towards others: Develop a child's habit of understanding and helping others' feelings. This helps them become sensitive. Explain the difference between right and wrong: It's important to teach your son what is right and what is wrong. Teach him to take responsibility for his own decisions.

Do you also have many questions about the census? Find answers to all the important questions here.

The first phase of India's 16th Census has officially begun on April 1, 2026. This is the country's first fully digital census, using a mobile app. Let's learn some important information related to this. Preparations have once again begun in India for a nationwide census, which is crucial for planning the future and development of every citizen. Many people wonder why the census is conducted and what questions are asked. Simply put, the census is not just a headcount, but a way to inform the government about whether you have access to amenities like electricity, water, housing, and the internet. For the first time, a mobile app will be used extensively in this census, enabling quick and accurate data collection. Under the Census Act of 1948, it is mandatory for every household to participate and provide accurate information. It also fully protects your privacy, as your personal information is not shared with anyone. Let's find answers to some important questions related to this census. Is it mandatory to participate in the census and answer the questions? Yes, it is legally mandatory for every citizen of the country to participate. Under the Census Act of 1948, the head of every household is required to provide accurate information about themselves and their family. The information you provide helps the government decide on the construction of schools, hospitals, and roads in your area. Do I need to show any paper or document to the census officer? You are not required to show any written proof or document during the census. The officer will only record what you say; you are not required to show your Aadhaar or voter card. This entire process relies on your verbal information and your trust. Although you are not required to produce documents, you are still expected to provide completely accurate and authentic information. What information will you be asked for during the census? The 2027 Census will primarily be completed in two phases, in which you will be asked about your household and family status. The first phase will ask about your house's condition, drinking water, toilet, electricity, and cooking fuel (gas). You may be asked if you own a radio, TV, computer, bicycle, two-wheeler, or four-wheeler, and internet access. The second phase will collect information about family members' age, education, occupation (employment), and marital status. Will my personal information be kept confidential and secure? Yes, the government is very strict about your privacy, and the law protects your information. Under Section 15 of the Census Act, your personal information is kept completely confidential. Your name or personal address is not shared with anyone; only aggregate data for the village or district is used to prepare the report. Since it is a digital census, all data is stored on secure government servers, making it impossible to leak. When and where will the 2027 Census data be available? After the census is complete, the government releases this data to the public in a phased manner. Preliminary population figures are released within a few months of completion. Detailed information and reports on different categories are released in subsequent phases. You can easily access these data by visiting the official Census of India website - www.censusindia.gov.in. Language and religion questions asked in the census: To understand the true structure of society, you will also be asked about your culture and identity. You may be asked what language you speak at home and how many languages ??you know. Information about your family's religion will be collected to generate data on cultural diversity. If you have left your original village and are living elsewhere, you may be asked about your previous residence and the reason for migration. What is the entire process of Census 2027? The census process is very systematic and can be understood in these steps. Step 1 (House Listing) - First, officials will visit your home, enter the house number, and take details of the amenities in the house. Step 2 (Population Census) - In the second step, every member of the household will be counted, in which information about their education, age, and work will be entered on the app. Step 3 (Self-Enumeration) - This time, you may also have the option to enter the information online yourself. Step 4 (Data Processing) - After all the information is collected, it is verified and counted through a computer. Step 5 (Publication) - Finally, the government makes the report of the total population and amenities of the country public, which helps in making future plans.

These 4 bad habits are slowly causing your teeth to decay.

Everyone needs to understand that some of our own habits can gradually lead to tooth decay. Teeth are one of the most important parts of our body. Strong and healthy teeth not only help us eat and drink, but also enhance our smile. However, did you know that sometimes our everyday habits can cause tooth decay and cavities? Many people ignore this, but if timely precautions are not taken, this problem can become serious. In this article, we will tell you about four common mistakes that gradually lead to tooth decay and how you can change them to keep your smile healthy. Eating too much sweets - Sugary foods like cakes, chocolate, candy, and sweetened drinks encourage bacteria in the teeth. These bacteria convert sugar into acid, which gradually erodes tooth enamel. This mistake of yours causes cavities. If you don't brush or use mouthwash after eating sweets, this problem can worsen. Therefore, be sure to brush or use mouthwash after eating sweets. Not brushing on time - It is very important to brush at least twice daily. If you don't brush your teeth morning and night, plaque and tartar accumulate on your teeth. Plaque becomes a breeding ground for bacteria, increasing the risk of gum inflammation, bad breath, and cavities. Therefore, brush twice a day. Not flossing - Small pieces of food get stuck between your teeth, where the brush can't reach. If you don't floss regularly, bacteria grow in these areas, leading to tooth decay. Flossing keeps the spaces between your teeth clean and reduces gum inflammation. Therefore, be sure to floss after eating anything. Excessive consumption of cold drinks and soda - Acidic and sugar-rich beverages like soda, cold drinks, and energy drinks weaken tooth enamel. This can lead to early tooth decay and sensitivity, and can also increase inflammation in the gums and mouth.

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच

मनोरंजन

www.knlslive.com

07 April 2026

"Very happy"; Mukesh Rishi reacts to the bill proposing 33% reservation for women in Parliament

Popular actor Mukesh Rishi has supported the proposed 33% reservation for women in Parliament. Ahead of the upcoming special session of Parliament, he described it as a very good step

towards greater female representation. The central government has taken a major step to implement the Women's Reservation Act as soon as possible. The Parliamentary session convened on April 16th is set to introduce an amendment bill related to the Women's Reservation Act. The government wants to legally implement 33% women's reservation by the 2029 Lok Sabha elections. Recently, actor Mukesh Rishi reacted to this and praised it, saying, "Finally, we have reached this milestone." Speaking to news agency ANI, Mukesh Rishi supported the proposed 33% reservation for women in Parliament. He expressed happiness, calling it a major achievement achieved after years of hard work. The actor said, "It's a matter of great joy. We've been trying for many years, and even though it took time, we've finally reached this point. What was destined to happen is happening now." Mukesh Rishi emphasized that women have consistently excelled in every field. He said, "I'm very happy that 33 percent reservation for women is being implemented. I have no doubt that women are working in every field. Be it medicine, sports, the military, or aviation. They are excelling in everything." Addressing social perception, he added, "There was only one limitation, and that was the notion that they couldn't go beyond a certain level." "Women can achieve anything" - he added, "It took time for society to understand that women can achieve anything." The actor also spoke about the achievements of women in sports, saying that their success brings pride to the country. Mukesh Rishi also emphasized the role of education and competence in political participation. He said, "Education plays a very important role in politics. Today, women are educated and capable. They have no lack of knowledge or understanding."

Did Vignesh have a problem with the fame of South Indian superstar Nayanthara? He said, "In a relationship like husband and wife..."

Vignesh, the husband of renowned South Indian director and actress Nayanthara, recently spoke openly about their relationship. How has Nayanthara's fame affected his life? Find out.

Nayanthara and Vignesh have been married for five years and have two sons. Recently, director Vignesh spoke about Nayanthara's popularity. He also explained how this fame has affected his life. Has it ever made him insecure? Find out what Vignesh said. Vignesh said that there is no concept of dominance in relationships. Director Vignesh's film, "Love Insurance Company," is soon to be released. For this film, he gave an interview on radio personality Gobinath's YouTube channel. In this interview, he talks about his wife Nayanthara. He categorically denies that Nayanthara's career and fame overshadow him. He says, "It's nothing like that. When we think like that, we can't move forward in life." There's no concept of 'dominance' in relationships like father-son, brothers, or husband-wife." When Nayanthara's fame helped Vignesh out of trouble In an interview, Vignesh shared a funny story. He explains that Nayanthara's popularity helped him out of a difficult situation. He recalls that one day he stopped at a roadside juice shop and had no means of payment. But the shopkeeper recognized him and affectionately addressed him as Nayanthara's husband, letting him go without paying. Vignesh says, "I called Nayanthara and told her how she saved me." He adds, "I feel happy when people recognize me by my wife's name. I also feel good when I'm recognized as the father of my children. There's no jealousy or ego involved. It's our love." Vignesh fell in love with Nayanthara on the sets of the film - Vignesh Shivan and Vignesh and Nayanthara worked together in the 2015 film "Naanum Rowdy Dhaan." They dated during this time. They got engaged in 2021 and married in 2022. Nayanthara later had twin sons through surrogacy. Today, Vignesh and Nayanthara are living a happy life.

Paresh Rawal denies rumors of a delay in "Hera Pheri 3"; says, "I will start shooting soon."

Actor Paresh Rawal is currently in the news for his film "Bhoot Bangla." Meanwhile, he shared an update on the film. Audiences are excited about "Hera Pheri 3." As fans eagerly await

the film, rumors keep circulating. Recently, reports surfaced that the film would be delayed. However, Paresh Rawal has now addressed the matter and completely dismissed such rumors. He also provided an update on the film's shooting. Shooting will begin soon - Paresh Rawal recently dismissed rumors of a delay in "Hera Pheri 3" during the promotion of his upcoming film "Bhoot Bangla." He confirmed that the eagerly awaited sequel will definitely happen. Speaking to Money Control, the actor said, "Don't worry about anything. 'Hera Pheri 3' is coming. I'll start shooting it soon." When will 'Bhoot Bangla' release? - The film was announced last year. 'Hera Pheri 3' has been in the news ever since. There were rumors that Paresh Rawal had left the project, but now he has rejoined the franchise. After Paresh Rawal left 'Hera Pheri 3', news spread that Akshay had filed a 25 crore rupee damages lawsuit against him. He resolved the matter in a timely manner, forcing Akshay to withdraw the case. Speaking of 'Bhoot Bangla,' the film is scheduled to release in theaters on April 16th. Akshay Kumar plays the lead role. 'Bhoot Bangla' is a horror-comedy film directed by Priyadarshan. Akshay and Priyadarshan have collaborated together after 14 years. Apart from Akshay Kumar, Tabu, Paresh Rawal, Rajpal Yadav, Asrani, Mithila Palkar and Vamika Gabbi are in lead roles in the film.